राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 09
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/- रु.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ,
मंगलवार , 07 अगस्त 2018

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

संक्षिप्त समाचार

बालिका गृह सेक्स रैकेट मामले में जिलाधिकारी हटाये गये

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवरिया के जिला मुख्यालय में स्थित बालिका गृह से सेक्स रैकेट के मामले में कड़ा रूख अपनाते हुये जिलाधिकारी सुजीत कुमार को हटा दिया है। मुख्यमंत्री ने राज्य बालिका और बाल कल्याण मंत्री रीता बहुगुणा जोशी, राज्य के मुख्य सचिव गृह अरविंद कुमार, प्रमुख सचिव (महिला कल्याण) रेणुका कुमार और पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह को देवरिया के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। (शेष पृ. 7 पर).

भारतीय सेना को जल्द मिलेंगी 400 आधुनिक तापें

लखनऊ। भारतीय सेना को इस समय 400 से भी ज्यादा तोपों की जरूरत है. इसमें वो आधुनिक तोपें शामिल हैं जिन्हें भारत–पाकिस्तान और चीन की सरहद पर तैनात किया जाएगा. ये हर मौसम में कारगर तोप हैं जिन्हें अत्यधिक ऊंचाई से लेकर रेगिस्तान या फिर पहाड़ से लेकर बर्फीले पहाड़ों पर तैनात किया जाएगा.

भारतीय सेना के बेड़े में शामिल हो रही सभी तोपें मेक इन इंडिया के तहत तैयार की जा रही हैं. भारतीय सेना को 145 तोपों को मिलने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया है। (शेष पृ. 7 पर). . .

अमर सिंह बना सकते हैं नई पार्टी...

लखनऊ। 2019 लोकसभा चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने तैयारियां शुरू कर

दी हैं। लेकिन इस खबर के बाद इन तैयारियों को बड़ा झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है। बता दें कि अखिलेश द्वारा तवज्जो न मिलने से नाराज हैं वह हाल में हुई समाजवादी पार्टी कार्यकारणी की बैठक में भी नहीं पहुंचे थे। अमर सिंह यूपी में सपा के एक बड़े असंतुष्ट नेता के साथ मिलकर नई पार्टी बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। नई पार्टी बनाने का मकसद आगामी लोकसभा चुनाव में सपा के वोटरों को अपनी तरफ मोड़ना है।

ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला, राज्यसभा में विधेयक मंजूर

नई दिल्ली। ओबीसी बिल को आखिरकार लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी हरी झंडी दे दी गई हैं. आज राज्यसभा में कुछ समय पहले ही ओबीसी आयोग संवैधानिक दर्जा विधेयक पारित हुआ हैं. इससे सरकार के खाते में एक और उपलब्धि दर्ज हो गई है. बता दे कि सरकार ने पहले कांग्रेस से अपील की थी कि वह इस बिल पर उनका साथ दे जहां सरकार को कांग्रेस सांसदों का भी इस बिल पर समर्थन मिला हैं.

राष्ट्रपति द्वारा मुहर लगाए जाने के बाद यह विधेयक पूर्ण रूप से कानूनन लागू हो जाएगा. कहा जा रहा है कि इस बिल का सीधा फायदा मोदी सरकार को अगले साल होने वाले आम चुनावों में मिलेगा. बता दे कि कुछ संशोधन के बाद सरकार इस बिल को पास कराने में सफल हो सकी हैं. इससे पहले भी सरकार पिछले वर्ष इस बिल को लेकर आई थी लेकिन बहुमत न होने के चलते सरकार की किरकिरी हो गई थी और इस पर बात नही बन सकी थी. (शेष पृ. 7 पर). . .

विकास कार्यो में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : सीएम योगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में निर्माणाधीन दीनापुर सीवरेंज ट्रीटमेंट प्लान्ट के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जताते हुए गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के परियोजना प्रबन्धक को कड़ी फटकार लगाई है और साथ ही यह कार्य करा रही कम्पनी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने शाही नाला के सफाई का काम भी बार–बार समय सीमा बढ़ाये जाने के बावजूद पूरा न होने पर श्रीराम ईपीसी लि0 के विरुद्ध एफआईआर कराये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के परियोजना प्रबन्धक को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्हें व्यक्तिगत

तौर पर काम में रुचि लेने और संबंधित कम्पनियों से युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान रविवार को सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ जिले में संचालित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने गोइठहा सीवरेंज ट्रीटमेंट प्लान्ट को भी अभियान चलाकर शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही सारनाथ में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लान्ट को भी शीघ्र पूरा कराये जाने पर जोर दिया। उन्होने आईपीडीएस के अधिकारियों को सड़कों की बेवजह खुदाई नहीं करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी काम कराने के लिए सड़कों का छोटा छोटा हिस्सा लिया जाए तथा कार्य पूरा हो जाने के पश्चात् सड़कों को पूरी तरह समतल किया जाए उसके बाद ही दूसरे स्थान पर काम कराने के लिए खुदाई की जाए।

उन्होंने नगर की सफाई व्यवस्था पर एक बार फिर नाराजगी जतायी। पुलिस लाइन से सर्किट हाउस आते समय सड़क के किनारे कूड़े के ढेर एवं गंदगी पर उनकी नजर पड़ी थी। उन्होने इसका हवाला देते हुए नगर आयुक्त को नगर की सफाई व्यवस्था (शेष पृ. 7 पर). . .

महागठबंधन का समर्थन करेगी मेरी पार्टी : शरद यादव

जयपुर। लोकतांत्रिक जनता दल के नेता शरद यादव ने आज कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन का समर्थन करेगी। जयपुर में संवाददाताओं से बातचीत में यादव ने कहा कि कांग्रेस आगामी चुनावों में महागठबंधन की ड्राइविंग सीट पर होगी। हम इस गठबंधन का सहयोग करेंगे । प्रधानमंत्री पद के लिये गठबंधन द्वारा चुने जाने वाले नेता का भी उनकी पार्टी समर्थन करेगी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस वर्ष के अंत होने वाले विधानसभा चुनावों में लोकतांत्रिक जनता दल 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यादव ने बिहार के मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म की घटनाओं के लिये बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि मामले की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व वाले दल से की जानी चाहिए और सरकार को इस मामले में जिम्मेदारी से कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी रूएनआरसीरू के जरिये 40 लाख नागरिकों को अलग करने के मामलें में कहा कि केन्द्र को इस मुद्दे पर चर्चा

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का चिकित्सा विज्ञान संस्थान बन गया एम्स, करोड़ों मरीजों को फायदा

वाराणसी। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी ;बीएचयूद्ध का चिकित्सा विज्ञान संस्थान शनिवार को आधिकारिक रूप से स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन हो गया। इसके लिए बीएचयू के केएन उडप्पा सभागार में केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच समझौता पत्र हस्तांतरित किए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एलान किया कि अब बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल व ट्रामा सेंटर को एम्स जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इससे पूर्वांचल, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिसा सहित कई राज्यों की करीब 20 करोड़

आबादी को मुफ्त इलाज मिलेगा। साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर शोध एवं शिक्षा का विस्तार होगा, इससे देश को बेहतर चिकित्सक मिलेंगे।

बीएचयू अस्पताल में सात राज्यों सहित नेपाल के भी मरीज यहां आते हैं। उनको मुफ्त में जांच व उपचार की सेवा देने के लिए प्रधानमंत्री शुरू से ही काफी गंभीर हैं। उन्हीं की पहल पर पिछले दो वर्षों से यह कवायद तेज हो गई। नवागत कुलपति प्रो. राकेश भटनागर भी दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़े। इसको लेकर पांच, आठ, 13 व 14 जून को बैठक हुई थी। इसके बाद 19 जून को दोनों मंत्रालयों के साथ ही बीएचयू और नीति आयोग की ओर से समझौते पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया था। इसमें यहां से निदेशक प्रो. वीके शुक्ला व पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डा. ओपी उपाध्याय भी शामिल हुए थे।

सभागार को संबोधित करते हुए मानव संसाधन एवं विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि आइएमएस को एम्स के बराबर सारी सुविधाएं दी जाएंगी, लेकिन यह (शेष पृ. 7 पर). . .

फर्जी टेंडर निकलवाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

लखनऊ। कुंभ मेले के फर्जी टेंडर निकालने को लेकर लखनऊ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गोमती नगर पुलिस ने नैनी जेल में बंद अभियुक्त मनोज तिवारी के भाई अनुज त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। जेल में बंद गिरोह का सरगना जेल से ही पर्यटन विभाग के सम्पर्क में था और वहीं से फर्जी टेंडर निकलवाता था।

फर्जी टेंडर के नाम पर इसने लाखों की ठगी (शेष पृ. 7 पर).

गृहमंत्री ने किया 'सबका साथ, सबका विकास योजना' पुस्तिका का विमोचन

लखनऊ। गृह मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह की उपस्थिति में लोक निर्माण विभाग के कार्यो के लोकार्पण और

शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे. इस दौरान लखनऊ मंडल में 399 करोड़ की लागत के 304 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया.

गृहमंत्री की उपस्थि में लखनऊ के 4 एलिवेटेड मार्गों का शिलान्यास किया गया. इससे शहर के लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी.

शहीद पथ से एयरपोर्ट को जोड़ने वाली, गोविन्द सिंह मार्ग पर हुसैनगंज–बांसमंडी चौराहा नाका हिंडोला चौराहा–डीएवी कॉलेज के मध्य तीन लेन फ्लाईओवर, तुलसी मार्ग (विक्टोरिया स्ट्रीट) पर हैदेरगंज तिराहे से मीना बेकरी से पूर्व तक दो लेन फ्लाईओवर और चरक चौराहा–हैदरगंज–चरक क्रासिंग विक्रम काटन मिल रोड के मध्य दो लेन फ्लाईओवर के निर्माण का शिलान्यास संपन्न हुआ. पहली बार राज्य के मेधावी छात्रों को सम्मानित और प्रोत्साहित करने के लिए हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी छात्रों के घर तक सड़क का निर्माण और शिलान्यास हुआ. ये सड़क गौरव पथ के नाम से जानी जाएगी.

6.7 करोड़ की लागत से साल 2017 के 24 मेधावी छात्रों घर तक सड़क निर्माण का लोकार्पण किया गया. 23 करोड़ के लागत से 2018 के 88 मेधावी छात्रों के लिए सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया. इस कार्यक्रम में 'सबका साथ, सबका विकास ग्राम सड़क योजना' की पुस्तिका का विमोचन (शेष पृ. 7 पर). . .

बाढ़ राहत कार्यों में लापरवाही : राजबब्बर

लखनऊ । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजबब्बर ने प्रदेश के विभिन्न इलाकों में आई बाढ़ पर

चिंता व्यक्त करते हुए सरकार पर बचाव व राहत कार्यों में लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में उदासीनता बरत रही है। इस कारण जान–माल का अधिक नुकसान हो रहा है। राजबब्बर ने सभी जिला व शहर अध्यक्षों को अपने–अपने कार्यक्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी कांग्रेसजन बाढ़ पीड़ितों की मदद करें। जहां सरकार मदद करने नहीं जा रही है वहां पार्टी के कार्यकर्ता अपने स्तर से मदद करें।

अपर्णा यादव ने एनआरसी पर किया भाजपा के रुख का समर्थन

लखनऊ। असम में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर ;एनआरसीद्ध का ड्राफ्ट जारी होने के बाद देश में सियासी घमासान मच गया है। कांग्रेस और टीएमसी समेत अन्य विपक्षी पार्टियां लगातार इस ड्राफ्ट का विरोध कर रही हैं। इन सबके बीच अब इस ड्राफ्ट का विरोध अमेरिका में भी होने लगा है। हालाँकि देश की कई ऐसी पार्टियाँ है जो इसका विरोध या समर्थन खुलकर नहीं कर रही हैं। इन्हीं में एक दल उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी है। असम में एनआरसी को लेकर अब तक सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोई भी बयान नहीं दिया है लेकिन उनके परिवार की अहम सदस्य और उनके छोटे भाई की पत्नी अपर्णा यादव ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर बड़ा बयान दे दिया है।

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू ने कहा है कि ममता बनर्जी को उन घुसपैठियों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो गैर कानूनी ढंग से यहां रह रहे हैं। असम में एनआरसी में 40 लाख लोगों के नाम शामिल नहीं होने पर इन दिनों सियासी हल्ला मचा हुआ है। एनआरसी के मुद्दे पर अब तक अखिलेश यादव चुप्पी साधे हुए हैं लेकिन शनिवार को मुलायम सिंह की छोटी बहू अपर्णा यादवने इस पर भाजपा का समर्थन किया और ममता बनर्जी को नसीहत दी। अपर्णा यादव ने मीडिया को अपने अपने दिए बयान में खुलकर भाजपा का समर्थन किया है।

मुलायम की छोटी बहू अपर्णा बिष्ट यादव पहले भी कई बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन कर चुकी हैं। छत्व के मुद्दे पर मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक की पत्नी अपर्णा ने कहा है कि कानूनी ढंग से रहने वाले शरणार्थियों से किसी प्रकार की समस्या नहीं (शेष पृ. 7 पर). .

राजीव कुमार बने यूपी रेरा के अध्यक्ष

लखनऊ। राज्य सरकार ने शनिवार देर रात प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव राजीव कुमार को भू–सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। अध्यक्ष के अलावा प्राधिकरण के तीन सदस्यों की भी नियुक्ति की गयी है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव नितिन रमेश गोकर्ण द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना के अनुसार सभी नियुक्तियां राज्यपाल की स्वीकृति के बाद जारी की गयी हैं। रेरा के नवनियुक्त सदस्यों में श्रीमती कल्पना मिश्रा और भानु प्रताप सिंह लखनऊ के रहने वाले हैं, जबकि तीसरे सदस्य बलविन्दर सिंह नई दिल्ली के हैं। दरअसल भू–सम्पदा विनियमन एवं विकास अधिनियम के तहत गठित भू–सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के लिए वर्ष 2016 में ही अध्यक्ष व तीन सदस्यों का चयन हो जाना चाहिए था, लेकिन पूर्ववर्ती (शेष पृ. 7 पर). . .

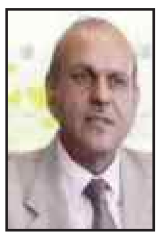

मुगलसराय जंक्शन अब हुआ पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुगलसराय जंक्शन रेलवे स्टेशन का नाम आज पांच अगस्त से बदल कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन कर दिया जाएगा. आज यहाँ पर प्रदेश अध्यक्ष डा. महेंद्रनाथ पांडेय, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेलमंत्री पीयूष गोयल और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह रविवार को मुगलसराय में पं. दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि देंगे.

इस आयोजन के लिए रेलवे ने रविवार दोपहर दो बजे से चार बजे तक बाकले मैदान पर कार्यक्रम का आयोजन किया है. इसे लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है. इस समारोह में रेलमंत्री पीयूष गोयल, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, रेल राज्यमंत्री व संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा व प्रदेश अध्यक्ष डा. महेंद्रनाथ पांडेय बाकले मैदान के मंच से रिमोट बटन दबाकर औपचारिक घोषणा करेंगे. रिमोट का बटन दबते ही मुगलसराय जंक्शन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन की एलईडी लाइटों से चमकने लगेगा.

मौके पर सुरक्षा के इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं. यहाँ पर 6 एडिशनल एसपी, 15 सीओ, लगभग 250 इंस्पेक्टर/सब इंस्पेक्टर के साथ एक हजार कांस्टेबल सुरक्षा में हर पल मौजूद रहेंगे. साथ ही लगभग पांच सौ महिला कांस्टेबल भी तैनात किए जायेंगे. रेल मंत्री 14261/62 एकात्मता एक्सप्रेस को हरी झंडी भी दिखाएंगे. इसके साथ ही यहाँ पहली बार महिला कर्मियों द्वारा चलने वाली मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई जाएगी

15 अगस्त को पुलिस कर्मियों का सम्मान होगा

राजीव नारायण मिश्र को गोल्ड तो लांबा को मिला सिल्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित करने की तैयारी चल रही है। पुलिस कर्मियों को प्रशंसा पदक देने की कवायद के मद्देनजर सभी जिलों के कप्तानों से सूची मांगी गई थी।

इसमें गोल्ड और सिल्वर देकर उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने की योजना है। सभी जिलों के कप्तानों ने जून–जुलाई 2018 में अभूतपूर्व योगदान देने वाले पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची डीजीपी कार्यालय को सौंप दी है।

इस सूची में गोल्ड के लिए लखनऊ जोन एडीजी कानून व्यवस्था आनंद कुमार, चित्रकूट रेंज डीआईजी मनोज तिवारी, एसएसपी मथुरा बबलू कुमार के

अलावा एसपी चित्रकूट मनोज कुमार झा, अपर पुलिस अधीक्षक राजीव नारायण मिश्र और एसटीएफ उपनिरीक्षक अवध नारायण चौधरी को चुना गया है।

वहीं, सिल्वर के लिए 76 अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को नामित किया गया है। इसमें प्रशिक्षण मुख्यालय लखनऊ एडीजी संजय एम तरड़े, एडीजी सतीश माथुर, डीआईजी पीएसी मुख्यालय मृगेन्द्र सिंह के अलावा बाराबंकी पुलिस अधीक्षक वीपी श्रीवास्तव का नाम भी शामिल है।

15 अगस्त को दिया जाएगा प्रशंसा चिन्ह

फिलहाल, जिले के कप्तानों नें शानदार योगदान देने वाले पुलिस कर्मियों की सूची डीजीपी कार्यालय को भेज दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर छह को गोल्ड और 76 अधिकारियों और कर्मचारियों को सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। सूची डीजीपी कार्यालय को भेज दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर छह को गोल्ड और 76 अधिकारियों और कर्मचारियों को सिल्वर देकर सम्मानित किया जाएगा।

धर्मेंद्र लांबा रहे चर्चा का केन्द्र

इसके अलावा गाजियाबाद में बिल्डिंग ढहने के बाद लोगों के सामने पुलिस की कार्यशैली को ऊंचाई देने वाले उपनिरीक्षक धर्मेंद्र लांबा को भी सिल्वर देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बिल्डिंग के मलबे से बच्चे को निकाल एंबुलेंस न होने की स्थिति में उसे अस्पताल पहुंचाया था। इलाज मिलने के बाद उसकी जान बच सकी थी। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब सराही गईं थीं। इसके बाद से धर्मेंद्र लांबा चर्चा के केन्द्र में आ गये थे।

संक्षिप्त समाचार

ओएलएक्स पर डाला मोबाइल का एड, लुटेरा छीनकर भागा

लखनऊ। ओएलएक्स पर आईफोन–8 बेचने के लिए एड डालना युवक को भारी पड़ गया। खरीदार बनकर पहुंचे एक्टिवा सवार बदमाश ने गोमतीनगर स्थित सीएमएस चौराहे पर युवक का मोबाइल छीना और भाग निकला। गोमतीनगर पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की मदद से पड़ताल कर रही है।रोहतास प्लूमेरिया अपार्टमेंट में अपूर्व प्रधान रहते हैं। उनका कहना है कि कुछ वक्त पहले उन्होंने ओएलएक्स पर अपना आईफोन–8 मोबाइल बेचने के लिए एक एड डाला था। इसके बाद उनसे एक युवक ने फोन पर सम्पर्क किया और आईफोन–8 लेने की बात कही। बीते शनिवार को अपूर्व के बाद खरीदार का फोन आया और उसने मोबाइल लेकर सीएमएस चौराहे पर बुलाया। कुछ देर बाद बाद वहां अपूर्व पहुंच गया। इसी बीच खरीदार एक्टिवा सवार साथी संग आया। एक्टिवा सवार साथी को आगे खड़ाकर वह पैदल मोबाइल लेने के लिए आया। आरोपित खरीदार ने मोबाइल देखने की बात कही। जैसे ही उसने मोबाइल लिया आरोपित एक्टिवा पर बैठकर फरार हो गया। अपूर्व ने मदद के लिए शोर मचाया लेकिन जब तक लोग समझते बदमाश भाग निकला। कंट्रोल रूम पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ताल के दौरना पीड़ित ने पुलिस को लुटेरे की एक्टिवा का नम्बर दिया है।

नहाने के दौरान किशोर नाले में डूबा, मौत

माल–लखनऊ। माल इलाके के एक गांव में नहाने गया किशोर की झिनगी नाले में डूब कर मौत हो गयी। ग्रामीणों कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।रविवार दोपहर पतौना गांव निवासी तुलसीराम रैदास का बेटा वीरेन्द्र उर्फ अनूप (17) गांव के पास झिनगी नाले में साथियों के साथ नहाने गया था जो उफनाते नाले की तेज धारा में चला गया। लोगों ने जब तक निकालने का प्रयास किया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वीरेन्द्र तैरना नहीं जानता था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना माल पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी मलिहाबाद व तहसीलदार ने मृतक के घर पर पहुंचकर परिजनों को आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया है।

कैशवैन लूट व हत्या : रायबरेली में बहन के घर से आरोपी और उसका बहनोई गिरफ्तार

लखनऊ। राजभवन के पास 30 जुलाई को गार्ड इन्द्र मोहन की हत्या और एक्सिस बैंक की कैशवैन लूट का खुलासा पुलिस ने रविवार को कर दिया है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी जोन) सुजीत पाण्डेय ने बताया कि पकड़ा गया अभियुक्त किसी और को लूटने के लिए आया था, लेकिन कैशवैन में करोड़ो रुपये होने की जानकारी पर लुटेरे ने इस वारदात को अंजाम दिया था। रायबरेली पुलिस की मदद से लखनऊ पुलिस ने लालगंज थाना क्षेत्र स्थित गांव का भोले का पुरवा से एक लाख के इनामी और उसके बहनोई को गिरफ्तार किया है। लूट की रकम में करीब 04 लाख 73 हजार 900 रुपये बरामद कर लिया है। घटना में उपयोग किया गया तमंचा व मोटर साइकिल भी बरामद हो गई है।

लखनऊ पुलिस कमांड में प्रेसवार्ता कर आईजी जोन ने बताया कि पकड़ा गया अभियुक्त विनीत कुमार उर्फ विनय उर्फ बद्री तिवारी रायबरेली से शातिर अपराधी है। रायबरेली पुलिस ने हत्या के मामले में उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। घटना के बाद से फरार होकर वह लखनऊ के × ष्णानगर स्थित न्यू इंद्रपुरी में परिवार के साथ रह रहा था। वह मानकनगर स्टेशन पर मोमोस का ठेला लगाता था। लेकिन इससे उसके परिवार का घर खर्च नहीं चलता था, तो वह लूटपाट भी करने लगा।

पकड़े गए अभियुक्त ने स्वीकारा कि घटना वाले दिन 30 जुलाई को वह किसी और व्यक्ति को लूटने के इरादे से राजभवन के पास खड़ा हुआ था। अचानक बारिश होने लगी तो वह भवन के दूसरी छोर पर खड़ी एक्सिस बैंक की कैशवैन के पास खड़ा हो गया और बारिश से बचने के लिए इधर–उधर देखने लगा। इस पर वैन चालक ने कहा कि मैं तुम्हे गाड़ी में बैठा लेता, लेकिन उसमे कैश रखा हुआ है इसलिए नहीं बैठा सकता हूॅ। आप कही और जाकर जायें। इसी दौरान उसके दिमाग में कैशवैन लूटने की योजना आयी और वारदात को अंजाम दे दिया। गार्ड इन्द्र मोहन की हत्या कर कैशवैन से करीब 6.44 हजार रुपये लेकर फरार हो गया।

इधर, घटना की जानकारी होने पर पुलिस सक्रिय हो गई और लूटेरे की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया। अभियुक्त ने स्वीकारा कि पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश के चलते वह अपने किराये के कमरे में लूट में प्रयोग की गई बाइक व बैग रख दिया। दो दिन बाद बहनोई कवीन्द्र पाण्डेय के साथ भागने की फिराक में मानक नगर स्टेशन पहुंचा। थोड़ी देर में पत्नी सोनी रुपये से भरा बैग लेकर स्टेशन पहुंची। वहां से बस करके रायबरेली बहन मंजू के घर भोले का पुरवा पहुंचा। शनिवार देर रात लखनऊ की पुलिस ने रायबरेली की पुलिस के सहयोग से घर में छापेमारी कर आरोपी विनीत और बहनोई कवीन्द्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लूट का माल से करीब 4. लाख 73 हजार 900 रुपये कैश बरामद कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि लूटकांड व घटना को छिपाने में पकड़ा गए अभियुक्त के बहनोई कवीन्द्र का हाथ है, इसके लिए उसे भी गिरफ्तार किया गया है। कैशवैन चालक से पहचान करायी गई तो उसने लूटेरे को पहचान लिया है, फिलहाल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है। चार साल में में पांच लूट, एक हुआ खुलासा आईजी ने बताया कि राजधानी में बीते चार साल में कैशवैन को निशना बनाने की पांच वारदातें हुई हैं। सबसे सनसनीखेज वारदात 27 फरवरी 2015 को डालीगंज में हुई थी। लुटेरों ने कैशवैन के दो गनमैन अरुण और अवनीश का कस्टोडियन अनिल की गोली मारकर हत्या कर दो बदमाश कैश लूट ले गए थे। 22 जून 2015 को पीजीआई इलाके में बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोली चलायी थी। इसमें कस्टोडियन अमरीश सिंह की मौत हो गई थी। इसके बाद बदमाश 17.50 लाख कैश लूट ले गए थे। करीब चार वर्षों में पांच वारदातें हुई। पुलिस ने इन वारदातों में 30 जुलाई को राजभवन के पास हुई 6.44 लाख की लूट का खुलासा कर पायी है।

अपात्र लोगों को पीएम आवास न देना ग्राम पंचायत अधिकारी को पड़ा महंगा

मिल्कीपुर, फैजाबाद। विकास खण्ड अमानीगंज के ग्राम पंचायत धमथुआ में बीते एक तारीख को ग्राम सभा की खुली बैठख आयोजित की गई थी जिसमें प्रधान ने आधा दर्जन अपात्र लोगों को पीएम आवास देने के लिए ग्राम पंचायत विकास अधिकारी आशीष मिश्रा पर दबाव बना रहे थे जब आशीष मिश्रा ने इसका विरोध किया तो प्रधान पति नन्हें लाल , राजकुमार, शोमनाथ, रामकेवल, दुखी, राजेश आदि ने मिलकर आशीष के साथ मारपीट करते हुए उनका कार्यवाही रजिस्टर फाड डाला तथा जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित ने प्रधान समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है । थाना प्रभारी कुमारगंज श्री निवास पांडेय का कहना है कि तहरीर मिली है , मुकदमा लिखकर कार्यवाही की जायेगी। बीडीओ केडी गोस्वामी का कहना खुली बैठक का आयोजन शासन के दिशा निर्देशो पर प्रत्येक गांव में करवाई जा रही है, धमथुआ गांव में सिक्रेटरी के साथ प्रधान व अन्य लोगों ने मिलकर मारपीट करने की सूचना मिली है इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राजनीति का ग्रामीण हो रहे शिकार

चित्रकूट। पहाड़ी ब्लॉक के ग्राम पंचायत सुरवल के बड़हर का पुरवा में ग्राम प्रधान व जनपद के अधिकारियों की मनमानी से ग्रामीण इस कदर परेशान है कि उन्हें निकलने की रास्ता तक नही हलाकि पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल ने अपने निधि के पैसे से कुछ रास्ता बनवाया था लेकिन उसमें भी राजनीतिक नेताओं के वजह से जहाँ तक बनना था

वहाँ तक न बनकर दूसरे तरफ बनवा दिया गया इस वजह से आज भी लोगो को पानी व कीचड़ से आना जाना पड़ता है कई बार गाँव वालों ने अधिकारियों से भी मिले लेकिन आज तक कोई नहीं ध्यान दिया गाँव वाले तो अब सरकार पर ही आरोप लगा रहे है की जहाँ पर योगी सरकार स्वच्छ भारत सुंदर भारत के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करने की बात कह रही है

उसी के विपरीत ग्राम प्रधान सुरवल तो सरकार की योजनाओं को पलीता लगाते नजर आ रहे है।

पीएम आवास योजना में मृतक को आवास आर्वटित किया

लहरपुर/सीतापुर। प्रधान का कारनामा मौजूद प्रधानमंत्री आवास की सूची में पात्र लोगों के बजाय अपात्र व अपने वोटरों को आवास आवंटित कर दिए गए व आवास की किश्त का पैसा नाम पलट कर बैंक प्रबंधक ग्राम प्रधान सचिव व खण्ड अधिकारी की मिलीभगत से निकाल लिया गया ।

सगीर, सरफराज, इरफान, मैनुद्दीन, नौशाद, वकील अहमद, सलाउद्दीन, ग्राम वसियों का आरोप है कि ग्राम में प्रधानमंत्री आवास शासन द्वारा दिये गए थे जिसमें ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत विकास अधिकारी ब्लॉक कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा आवास में धोखाधड़ी तथा सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है पात्र वयक्तियों को आवास न देकर अपात्र लोगों को आवास आवंटित कर दिया गया है जिसमे अकबर पुत्र बाबू आई डी नम्बर –1193425 पर अकबर पुत्र मोहम्मद जान को दे दिया गया है

इनका कहना कि हमने कई बार लिखित में शिकायत खण्डविकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, उपजिलाधिकारी इससे संबंधित सभी अधिकारियों को लिखित में देकर मामले को मेरे द्वारा अवगत कराया जा चुका है। फिर भी अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई है उसके बाद भी प्रधान समयबद्ध अपात्रों को आवास आवंटित कर रहा है । इरफान अली पुत्र जब्बार आई डी नम्बर 2149654 पर किसी दूसरे गांव में रहे इरफान को दे दिया गया है। वकील अहमद पुत्र मुश्ताक आई डी नम्बर 2152951 पर वकील पुत्र अब्दुल रहीम को दे दिया गया है नौशाद पुत्र शफीउद्दीन आई डी नम्बर 2152952 पर नौशाद पुत्र शफिल्ला खान को दे दिया गया सगीर पुत्र शफीक अहमद आई डी नम्बर 2147079 है इनका कहना है कि इस आई डी पर जमील को आवास दे दिया गया है

गौरतलब है जहां तक की मृतक फारूक अली पुत्र मेहदी हसन आई डी नम्बर 1346518 को दे दिया गया बल्कि ग्राम वसिंयों का कहना है कि फारूख अली की मृत्यु आज आज से सात वर्ष पूर्व हो चुकी है इसके परिवार में कोई भी जीवित वारिस नही है तथा सरकारी पैसे का बन्दरबांट प्रधान ग्राम प्रधान सचिव व कम्प्यूटर ऑपरेटर की मदद से किया गया है कुटरवना कर आवास का आवंटन किया गया है ग्राम प्रधान आयशा बानो ने आवास चयन में धोखाधड़ी की गई है आवास की क्रम वार सूची अनुसार नही दिए गए हैं नाम छोड़ कर आवास दिए गए हैं जो विधि के विपरीत हैं । ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की शह पर ग्राम पंचायतों में फर्जीवाड़ा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहा हैं। लाभार्थियों से अवैध वसूली भी ग्राम प्रधानों के लिये सौभाग्य का पिटारा साबित हो रही है। रातोंरात अमीर बनने की लालसा कम होने का नाम ही नही ले रही है प्रधान व अधिकारी भ्र्ष्टाचार करने में पीछे नही हट रहे हैं।

थाना समाधान दिवस में अधिकारियों ने सुनी शिकायतें

फैजाबाद। शानिवार को मिल्कीपुर सी ओ सर्किल के तीनों थाना परिसर में थाना समाधान दिवस किया गया।

उपजिलाधिकारी मिल्कापुर के0डी0शर्मा के अध्यक्षता में खाण्डासा थाना परिसर में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ समाधान दिवस में कुल चार शिकायती प्रार्थना पत्र आए जो पुलिस व राजस्व से सम्बन्धित थे लेकिन किसी भी प्रार्थना पत्र का निस्तारण मौके पर नहीं हो सका। यह जानकारी एसओ खाण्डासा अवनीश चौहान ने दी।

कुमारगंज थाना परिसर में नायब तहसीलदार मिल्कीपुर हृदय नारायण की अध्यक्षता में संपूर्ण थाना समाधान दिवस किया गया समाधान दिवस में कुल पाँच शिकायती प्रार्थना पत्र आए जिसमें से एक शिकायती प्रार्थना पत्र का निस्तारण पुलिस व राजस्व की टीम द्वारा करा दिया गया। वही एक प्रार्थना पत्र पर टीम भेजी गयी है तथा तीन मामलो का निस्तारण नही किया जा सका।

रीडिंग लेकर बिल जमा करने के मामले की शिकायत ऊर्जामंत्री तक पहुंची, पावर कारपोरेशन ने दी सफाई

लखनऊ। खुद की रीड़िंग से उपभोक्ता महीने की 15 तारीख तक बिल नही जमा करनें के मामले में पावर कारपोरेशन प्रबन्धन का कहना है कि यह कदम केवल कुछ उपभोक्ताओं द्वारा इस सुविधा का दुरुपयोग रोकनें एवं विभाग को नुकसान से बचानें के लिए किया गया है। उपभोक्ताओं को असुविधा से बचने के लिये दो विकल्प दिये गये है। पहले विकल्प में यदि किसी उपभोक्ता के यहॉ महीने की सात तारीख तक मीटर रीडर नहीं आता है तो वह टोल फ्री नम्बर 1912 पर यह शिकायत दर्ज करा दे कि उसके यहां मीटर रीडर या विद्युत बिल नहीं आया है। उसे अपना एकाउन्ट आईडी नम्बर बताना होगा। 1912 से यह शिकायत क्षेत्रीय एसडीओ को स्थानान्तरित कर दी जायेगी। एसडीओ पर यह जिम्मेदारी तय कर दी गयी है कि वह मीटर रीड़िग कराकर उपभोक्ता को बिल पहुॅचवा दे।

दूसरे विकल्प के रूप में उपभोक्ता 5616195 पर एसएमएस के माध्यम से सूचित करे। जिसमें वह डिस्काम का नाम लिख कर भेज दे उसे तुरन्त रिटर्न एसएमएस प्राप्त होगा और 30 मिनट के अन्दर काल सेन्टर बात कर डिटेल लेगा। जिसे वह सम्बन्धित एसडीओ के पास भेजेगा। एसडीओ रीडिंग का बिल उपलब्ध करवायेगा। पावर कारपोरेशन अध्यक्ष आलोक कुमार का कहना है कि हमारे लिळ विद्युत उपभोक्ता सबसे महत्वपूर्ण है कारपोरेशन हमेशा प्रयासरत रहता है कि उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक सुविधा मिले और उसकी समस्याओं का तत्काल निराकरण हो। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यथा संम्भव सभी कदम उठाये जायेंगे।

विकास नहीं जाति के नाम पर होगा 2019 का चुनाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (भासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर सियासी महकमे में हलचल पैदा करने वाला बयान दिया है। राजभर ने कहा है कि पहले लोग अंग्रेजों के गुलाम थे और अब नेताओं के गुलाम हैं। इस दौरान उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि यह चुनाव विकास नहीं, बल्कि जाति के नाम पर लड़ा जाएगा।

राजभर ने राजनीतिक माहौल पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश था, लेकिन अब यह जाति प्रधान बन गया है। अब यहां जाति की लहर के नाम पर सबुकछ पीछे छूट जाता है। उन्होंने कहा कि 2019 का चुनाव विकास पर नहीं, बल्कि जाति के नाम पर होगा क्योंकि विकास के नाम पर जीत मिलती तो दिल्ली में शीला दीक्षित और इंदिरा गांधी कभी चुनाव कभी चुनाव नहीं हारती। उन्होंने कहा कि अगर हम पढ़कर मंत्री बन सकते हैं तो हम चाहते हैं कि गरीब भी अपने बच्चों को पढ़ाकर मंत्री बना सकें।

बच्चों को स्कूल ना भेजने वाले जेल जाने को तैयार रहें

राजभर ने कहा कि शिक्षा को लेकर बोलते हुए कहा कि हम मंत्री तो नहीं बना सकते हैं, लेकिन आपके बेटे को चपरासी बनाने की व्यवस्था तो बना ही सकते हैं। उन्होंने कहा जो लोग अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे वो जेल जाने के लिए अपना बोरिया बिस्तर बांध लें, मैं उन्हें जेल भेजकर ही मानूंगा। उन्होंने कहा कि जिस दिन पिछड़ी जाति के आरक्षण का ऐलान हो जाएगा भासपा–भाजपा गठबंधन ब्रम्हास्त्र की तरह होगा, जिसे कोई तोड़ नहीं सकेगा।

घायल रेस्टोरेंट मालिक को अस्पताल में घुसकर धमकाया, एसपी ने सुरक्षा मुहैया कराई

लखनऊ। अभी कुछ दिनों पहले सुलतानपुर के एक रेस्टोरेट में दिनदहाड़े रेस्टोरेंट मालिक को गोली मार दी गई थी जिसका सीसीटीवी फुटेज खूब वायरल हुआ था। गोली लगने के बाद रेस्टोरेट मालिक को गम्भीर हालत में किंग जॉर्ज मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका इलाज चल रहा है।

यहां कुछ अज्ञात लोगों ने ट्रामा सेंटर में घुसकर रेस्टोरेंट मालिक को फिर से धमकाया है। इस धमकी को संज्ञान में लेते हुए परिजनों ने पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर को अवगत कराया है और इस घटना पर एसपी ने एक्शन लेते हुए जिले से तुरंत फोर्स भेजकर सुरक्षा मुहैया कराई है।

रविवार को शाम रेस्टोरेंट के संचालक आलोक आर्य पर जानलेवा हमला हुआ था। आरोपी खाने की मेज से उठा और उसने कैश काउंटर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं जिससे संचालक बेहोश हो गया। आनन–फानन में घायल संचालक को जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस पहुंची भी नहीं थी कि चिकित्सकों ने उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। जहां ट्रामा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है।

मामले में शुक्रवार को कुछ अज्ञात व्यक्ति ट्रामा सेंटर में घुसे। चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ को झांसा देते हुए आलोक आर्य के कमरे में दाखिल हो गए। इसके बाद आलोक को कुछ धमकी देने की बात कही जा रही है। व्यापारी की तरफ से चिट्ठी लेकर अपने परिजनों को सूचना दी गई। जिस पर परिजनों ने घटना से पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर अनुराग बसु को अवगत कराया है। मामले को संज्ञान में लेते हुए एसपी ने सुलतानपुर से विशेष सुरक्षा दस्ता लखनऊ चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थित ट्रामा सेंटर के लिए रवाना कर दिया है।

अखिलेश यादव ने कहा–मेरा बंगला तोड़ने वाले को 11 लाख का ईनाम

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज जनेश्वर मिश्र की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं से भी अखिलेश यादव ने मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान बलिया से निकली साइकिल रैली का अखिलेश यादव ने स्वागत किया। साथ ही जनेश्वर मिश्र से संबधित पुस्तक का विमोचन किया। थोड़ी देर बाद सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव भी जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचे और यहां उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सपा के वरिष्ठ नेता अहमद हसन, एसआरएस यादव, राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप आदि मौजूद रहे।

इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि जनेश्वर मिश्र गरीब, किसान हर वर्ग के नेता थे। अखिलेश ने बलिया से निकली साइकिल यात्रा के समापन पर ऐलान किया कि वह भी हर महीने लंबी साइकिल यात्रा पर निकलेंगे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान और हर वर्ग को झूठ से बचाना है। इस दौरान अखिलेश यादव ने अपने सरकारी बंगले को लेकर कहा कि पता नहीं लोगों को क्यों मेरा घर अच्छा लगा। लोगों ने राजनाथ सिंह और कल्याण सिंह का घर नहीं माना।

अखिलेश ने कहा कि कुछ लोग मेरे घर में कुदाल और हथौड़ा लेकर गए थे। रात में जो लोग हथौड़ा लेकर गए थे उनका नाम उजागर होना चाहिए। हथौड़ा ले जाने वाले का नाम उजागर करने पर समाजवादी लोग 11 लाख ईनाम देंगे। अखिलेश यादव ने घर में तोड़फोड़ करने वाले पर ईनाम घोषित किया। हमसे जो घर छीना गया वो हमारा घर नहीं सरकारी था। हमने कोई अवैध निर्माण नहीं कराया।अखिलेश यादव ने कहा कि हमने सभी एनओसी का सबूत दे दिया। एलडीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया था। जब घर खाली किया तो रात में कुछ लोग हथौड़ा लेकर हमारे घर में गए। रात में हथौड़ा लेकर कौन हमारे घर में गया। अगर कोई पत्रकार हमें बता देगा तो हम 11 लाख का इनाम देंगे। उनके मंत्री चिठ्ठी लिखकर हमारा घर मांग रहे हैं।

भतीजे नहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से होती बात : शिवपाल

लखनऊ। देश के सबसे बड़े समाजवादी कुनबे में कुछ ठीक हो न हो लेकिन समाजवादी पार्टी में सब कुछ ठीक है। इस बात की तस्दीक पार्टी नेता शिवपाल यादव भी करते हैं। अखिलेश के जिक्र पर शिवपाल के जवाब में यह सब कुछ साफ झलकता भी है। उन्होंने कहा कि उनकी भतीजे से नहीं बल्कि पार्टी अध्यक्ष से बात होती है। समझा जाता है कि सैफई के इस परिवार में विधानसभा चुनाव के बाद सब शांत भले दिखता पर टीस अभी बरकरार है।

गरीबों को मिलने वाले राशन और छत से वंचित मां–बच्चे अपनी व्यथा पूर्व सीएम को बताते हुए फूट–फूटकर रो पड़े परिवार और राजनीति अलग–अलग शिवपाल सिंह शुक्रवार को उन्नाव के असोहा ब्लाक के ग्राम शिवगढ़ एक निजी कार्यक्रम में आए थे।

इस दौरान रिश्तों की बात छेड़े जाने पर उन्होंने बड़ी साफगोई से जवाब दिया कि वह लंबे समय तक पार्टी के पदाधिकारी रहे हैं लेकिन अब विधायक भर हैं। बोले नेता जी (मुलायम सिंह) जो कहेंगे उसके अनुसार वह काम करते रहेंगे। उन्होंने बात संभालते हुए कहा कि परिवार और राजनीति अलग–अलग है। महागठबंधन पर भी मलाल झलका, उत्तर प्रदेश में दो अगस्त को भारी वर्षा और आकाशीय बिजली से 12 लोगों की मौत भाजपा के विरोध में महागठबंधन के सवाल के जवाब में भी पार्टी के अहम फैसलों में उनसे सलाह न लिए जाने का मलाल झलका। वह बोले कि गठबंधन के लिए हुई बैठक में उनको नहीं बुलाया गया पार्टी के सभी फैसले राष्ट्रीय अध्यक्ष लेंगे। हालांकि भाजपा पर वार उन्होंने जरूर कहा कि महागठबंधन हुआ तो भाजपा की हार तय है। उन्होंने योगी सरकार में कानून व्यवस्था को ध्वस्त बताते हुए कहा कि दुष्कर्म, हत्या, लूट की घटनाओं में भी बिना पैसा लिए मुकदमे दर्ज नहीं हो रहे है।

बारिस मे घुल गए मार्ग सूचक चिन्ह

लखनऊ। लोगो को सुविधा पहुचाने वाला मार्ग सूचक बोर्ड

बारिस बर्दाश्त नही कर सका और सारे चिन्ह बरसात मे धुल गए है।

आम लोगो के साथ साथ बाहरी लोगो को भी आसानी से बिना पूछे ही सूचक करने वाला बोर्ड पूरी तरह से धुल गया है जिससे आने जाने वाले लोगो को काफी दिक्कत होती है।

यह तस्वीर जानकीपुरम थाना क्षेत्र के चन्द्रिका टावर तिराहे की है यहा पर तस्वीर देख कर ही साफ समझ मे आ रहा है कि कैसे सारे सूचक धुल गए है इस पर भी सम्बंधित अधिकारियो को ध्यान देकर त्वरित सही करवाना चाहिए जिससे आने जाने वाले राहगीरो को समस्या न हो।

अयोध्या सावन मेला एवं कांवरियों का स्वागत करेगी अयोध्या की गिट्टी भरी सड़क

अयोध्या। अयोध्या सावन मेला एवं कांवरियों के स्वागत के लिए प्रशासन एवं शासन के द्वारा कमर कस ली गई है जिसमें प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था कर ली गई है पर सारी तैयारियों पर पानी फेर रहा है

लगातार हो रही बारिश जिसका नतीजा है अयोध्या फैजाबाद मार्ग पर बने गड्ढे और बिखरी गिट्टियां जिस पर पैदल या गाड़ी से चलना मुश्किल हो रहा है

ऐसे में कांवरियों द्वारा नंगे पैर कैसे चला जाएगा यह तो भगवान ही जानते हैं शायद भगवान भी चाह रहा है कि इस बार कांवरियों की कड़ी परीक्षा ली जाए

वहीं भाजपा शासन द्वारा अयोध्या पर लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं पर वास्तविकता कुछ और ही है की किस तरह से भाजपा शासन में दशा देखते ही बनती है और जहां यु(स्तर पर मेले की तैयारी हो रही है पर ज्ञात हो कि एक–दो दिन में कांवरियों का आगमन होने वाला है

जहां कांवरिया सरयू नदी से जल लेकर भोलेनाथ को चढ़ाते हैं और उनकी आस्था पूर्ण होती है कांवरिया बिना चप्पल और जूते के होते हैं अब देखना यह है कि इसी गिट्टी वाली सड़क पर वह नंगे पैर कितना देर तक चल पाते हैं क्या यही मेले की तैयारी है कि केवल खानापूर्ति हो रही है

अयोध्या में एक मोहल्ला है जलवान पुरा जोकि बिरला धर्मशाला के पीछे है जहां पर कुछ घंटे की बारिश में 4 फीट पानी भर जाता है वहां के स्थानीय नागरिक कई बार आंदोलन कर चुके हैं उसके बावजूद भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है

भाजपा का स्लोगन ष्सबका साथ सबका विकासष् केवल स्लोगन मात्र ही है वास्तविकता कुछ नहीं।

अयोध्या की दुर्दशा हो रही है लगातार हो रही अयोध्या को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में भाजपा द्वारा कितना कार्य किया गया है दावे और वादे झूठे नजर आते हैं आज के तारीख में अयोध्या की अयोध्या की तैयारी एवं अयोध्या में हुए विकास के पोल खोलता अयोध्या फैजाबाद मुख्य मार्ग जो कि केवल गिट्टी ही बची है ज्ञात हो कि आने वाले

चार जर्जर भवन खाली कराये

लखनऊ। बारिश के कारण जानलेवा हुए जर्जर भवनों को नोटिस देने के बाद रविवार को दो और जर्जर मकान खाली कराए गए। इन मकानों में रह रहा पारिवार अपने रिश्तेदार के यहां चले गए हैं। शनिवार को 40 व रविवार को 47 मकान को नोटिस दी गयी है। रविवार को 4 मकानों को खाली कराया गया। जोन छह के कल्वे आबिद वार्ड में दरगाह रोड पर स्थित जर्जर भवन में रह रहा परिवार सामान सहित अपने रिश्तेदार के घर शिफ्ट हो गया। इस मकान के बगल का भवन दो दिन पहले भरभराकर गिर गया था। हालांकि कोई हादसा नहीं हुआ था। शनिवार को पहुंची नगर निगम की टीम ने बगल के मकान को खाली करने के लिए नोटिस चस्पा कर दी थी। मकान गिरने से आसपास बिखरा मलवा भी नगर निगम की टीम ने रविवार को हटा दिया है। उधर जोन एक में मशकगंज वार्ड में भी जर्जर भवन में रह रहा परिवार अपने रिश्तेदार के घर चला गया। इस मकान पर भी नगर निगम ने शनिवार को नोटिस चस्पा की थी। इसके अलावा पुराना गणोशगंज के तिवारी गली में

संक्षिप्त समाचार

अब अतीक अहमद पर शिकंजा कसने की तैयारी

इलाहाबाद। देवरिया जेल में बंद पूर्व सांसद अतीक अहमद की मुश्किलें और बढ़ सकती है। एसटीएफ आईजी अमिताभ यश ने रविवार को यहां माफिया गिरोहों को लेकर बैठक में भू–माफिया पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जमीन पर कब्जा करने, अवैध तरीके से प्लाटिंग के साथ निर्माण करने वाले भू–माफिया से सख्ती से निपटा जाए। एसएसपी नितिन तिवारी के मुताबिक कुल 45 माफिया सूचीब(हैं। इसमें अतीक लपेटे में आ सकते हैं, जिले के माफिया की सूची में उनका भी नाम है। भू माफियाओं से जुड़े सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गये हैं।

श्मशान घाट पर सफाई करके किया श्रमदान

लखनऊ। रविवार को छठें दिन का शुभारम्भ स्वछता एवं पर्यावरण आंदोलन सेना लखनऊ के संयोजक रणजीत सिंह पूर्व पार्षद के नेतृत्व में प्रातरु गोमती नदी की सफाई करके श्रमदान किया गया। स्वछता एवं पर्यावरण आंदोलन सेना के सभी कर्मीयों ने गुलाला घाट श्मशान घाट गोमती तट पर जाकर दो घंटे श्रमदान करके लगभग 50 कुंतल से अधिक जली हुई लकड़ी अंतिम संस्कार में इस्तेमाल होने वाले कपड़े व अन्य सामग्री को एक स्थान पर एकत्रित करके उसे ठिकाने लगाया। श्मशान घाट पर विधिवत सफाई के बाद सारे स्वयं सेवको ने पास में ही अविरल धारा में बह रही गोमती नदी माँ की आरती की। कार्यक्रम में रणजीत सिंह, कृपा शंकर वर्मा ,विष्णु तिवारी , राजीव तिवारी, राजेश जोशी , राम नरेश कश्यप सेक्टर वार्डन जय सिंह राम शंकर लौहर ने मंच के माध्यम से गुलाला घाट गोमती तट पर स्तिथ पौराणिक श्मशान घाट को सुधारने की गुहार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एवं नगर विकास मंत्री जी से लगाई।

फैजुल्लागंज में फैला संक्रामक रोग

लखनऊ। राजधानी में संक्रामक रोग फैलना शुरू हो गया है। फैजुल्लागंज के विभिन्न क्षेत्रों में भरे गंदे पानी व गंदगी के कारण आधा दर्जन से ज्यादा बच्चे बीमार है। बुखार व उल्टी दस्त से पीड़ित है। ज्यादातर लोग भर्ती नहीं हुए है और घर पर ही चल रहा है। लोगों का आरोप है कि इलाके में काफी समय से एंटी लार्वा का छिड़काव नहीं हुआ है। कुछ दिन लगातार हुई बरसात के कारण फैजुल्लागंज दाऊद नगर में भीषण गंदगी व जलभराव की स्थिति है। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में कई स्थानों पर हैंडपंप भी खराब है। इस कारण दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। क्षेत्र में पिंटू (6), सरिता (9), मीनू (11), नमन (6), जीतू (10) तेज बुखार, उल्टी के साथ ही डायरिया की चपेट में हैं। सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी ने बताया कि इलाके के लोग बीमार लोग की संख्या बढ़ती जा रही है।

ट्रक ने बाहक सवार युवक को टक्कर मारी

महमूदाबाद, सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र सिरौली में नई बाजार के पास ट्रक व मोटर साइकिल से हुआ। एक्सिडेंट जिसमे दीपक श्रीवास्तव नाम का युवक हुआ घायल। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को मोटर साइकिल में रखे पेपर, आधार कार्ड से मालूम हुआ कि नाम दीपक श्रीवास्तव पता कोलई पुरवा, छतौनी, चिकड़ी धांधर, सीतापुर का ज्ञात हुआ।

सिधौली रोड़ पर महमूदाबाद की ओर भाग कर के चौराहे से कुछ ही दूरी पर जाकर jbf ईट भठठा और मोटर साइकिल का नंबर UP 41AF 8005 और ट्रक टक्कर मारकर महमूदाबाद, के पास में रोककर ड्राईवर भाग गया।

और ट्रक का नम्बर UP 32 DN 8162 वही पर मौजूद लोगों की मदद से घायल को 102 नंबर डायल करके एम्बुलेंस से सी एच सी महमूदाबाद ले जाया गया और बाद में सूत्रों से एवं घायल के भाई से मिली जानकारी अनुसार घायल को लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

महिला से छेड़खानी, शराब पीकर होटल में मचाया उत्पात

लखनऊ गोमतीनगर स्थित होटल रेनेसां में बीती रात हाईप्रोफाइल पार्टी में मेहमानों ने जमकर शराब पी और एक महिला के साथ बदसलूकी की। बताया जाता है कि रोकटोक करने पर न केवल लोगों ने उसके साथ मारपीट की बल्कि छेड़खानी को लेकर घण्टों ड्रामा चला। रात बारह बजे के बाद मौके पर पहुंची गोमतीनगर पुलिस ने मामले को रफा–दफा करने की कोशिश की, लेकिन मीडिया की जानकारी के कारण मामला हल्की धाराओं में दर्ज किया गया है। गोमतीनगर स्थित पांच सितारा होटल रेनेसां के रूफ टाप पर स्थित रेस्तरां में दारू पार्टी चल रही थी। बताया जाता है कि वहां बैठे अन्य मेहमानों में एक महिला से शराब के नशे में कुछ लोगों ने छेड़छाड़ करना शुरू कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मौके पर होटल के सुरक्षागार्ड भी नहीं थे, जो थे, वे नशे में थे, ऐसे में उक्त महिला व उसके साथ के लोगों को सुरक्षा देने वाला कोई नहीं था। बताया जाता है कि इसके बाद वाद–विवाद शुरू हुआ और फिर हाथापाई और मारपीट शुरू हो गयी। इस बीच किसी ने अपने मीडिया मित्र को फोन लगा दिया, जिसके बाद यह खबर वायरल हो गयी। इस बीच होटल की ओर से पुलिस को फोन किया गया, जिसके बाद रात बारह बजे के बाद गोमतीनगर थाने की पुलिस व एसआरएस चौकी इंचार्ज दलबल समेत होटल पहुंचे और छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें शेखर मिश्रा इकाना स्पोर्टस स्टेडियम का मैनेजर बताया जाता है, जबकि पांच अन्य भी हाईप्रोफाइल अधिकारी बताये जा रहे हैं। पहले तो पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनीं और शासन स्तर पर पड़े दबाव के बाद पुलिस उन सभी छहों को लेकर रात डेढ़ बजे डा.राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गयी और मेडिकल कराया। इसके बाद रविवार को न्यायालय ले गयी।

एसआरएस चौकी इंचार्ज कृष्ण बलि सिंह ने बताया कि हाईप्रोफाइल होने के बाद भी न केवल धारा 151 के तहत कार्रवाई की बल्कि देर शाम तक दोषियों का नाम छिपाए रहे। देर शाम गोमतीनगर इंस्पेक्टर का कहना है कि रात में होटल के छत पर बवाल की जानकारी पर पुलिस गयी थी, छह लोगों शेखर मिश्रा, देवेन्द्र सिंह, शाहबाज खान, हिमांशु सिंह, घनश्याम यादव, वीर सिंह को गिरफ्तार कर उचित धाराओं में कार्रवाई की गयी है।

बहराइच में लूट कांड का पर्दाफाश, दो लुटेरे गिरफ्तार

बहराइच। उत्तर प्रदेश बहराइच के कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने रविवार को दो लुटेरों को गिरफ्तार कर पिछले महीने हुए एक लूट कांड का खुलासा कर दिया। पुलिस अधीक्षक सभाराज ने बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस बल ने मीरगंज मोड़ के पास इमरान अहमद और शकील को धर दबोचा और उनके कब्जे से तमंचे एवं गोली बारूद बरामद किया। उन्होंने बताया कि एक जुलाई को इंटर स्टेडियम के सामने स्थित शालीमार हैचरी के कार्यालय से बदमाशों ने 6,18000 रुपये लूट लिए थे। पुलिस को इस मामले में लुटेरों की तलाश थी।

गिरफ्तार लुटेरे इमरान ने पूछताछ पर पुलिस को बताया कि वह मुर्गा फार्म और पोल्ट्री सीड की दुकान चलाता है। पोल्ट्री इंटीग्रेशन कम्पनियों और शालीमार हैचरी कम्पनी द्वारा मुर्गे का रेट कम कर हम प्राइवेट फार्म वालों का कमर तोड़ रहे थे, जिसके कारण उसने अप्रैल माह में फोन पर उन्हें धमकाया भी था। बात नहीं मानने पर उनको सबक सिखाने के लिये उसने शकील, रवि उर्फ अमित सिंह, बाबू और हनी के साथ मिलकर लूट को अंजाम दिया। इमरान ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 2,27,000 रुपये लूटे थे और 6,18,000 रुपये लूट किये जाने की बात गलत है। पुलिस घटना में शामिल अन्य लुटेरों की तलाश कर रही है।

वाराणसी के लिए अब रात में दो ट्रेनें

लखनऊ। लखनऊवासियों के लिए सुखद खबर यह है कि अब वाराणसी से लखनऊ आने के लिए रात में दो ट्रेनों की सुविधा मिलेगी। रेलवे ने रविवार को मुगलसराय स्टेशन का नाम बदलकर अब ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.' किये जाने के मौके पर मुगलसराय से लखनऊ के बीच सप्ताह में दो दिन चलने वाली नई ट्रेन ''एकात्मता एक्सप्रेस' को विशेष ट्रेन के रूप में रवाना किया गया।

इस नई ट्रेन का नियमित संचलन अब सप्ताह में दो दिन सात व आठ अगस्त से क्रमशः लखनऊ व मुगलसराय से किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि लखनऊ से मुगलसराय के बीच ''एकात्मता एक्सप्रेस' का संचलन सप्ताह में एक दिन किया जा रहा है। एकात्मता एक्सप्रेस लखनऊ से रविवार को जबकि मुगलसराय यानी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से शनिवार को चलती है। इस ट्रेन का संचलन प्रतापगढ़ के रास्ते किया जाता है। लखनऊ से मुगलसराय के बीच एकात्मता एक्सप्रेस सीधी ट्रेन सेवा के रूप में चलती है। (शेष पृ. 7 पर).

ट्रैफिक नियमों की उड़ रही धज्जियां

जिम्मेदार विभागीय लोगो ने बंद कर ली आंखे

लखनऊ। एक तरफ सरकार कानून व्यवस्था सुधारने मे लगी है तो वही पर मोटर चालको की मनमानी नजर आ रही है यह तस्वीर मड़ियाव क्षेत्र की है यहा पर चंद रुपयो के लिए लोगो की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है

टैक्सी चालक चाहे टैम्पो हो या मैक्सिमो इनकी मनमानी पूरी तरह से चरम सीमा पर है ज्यादा सवारी बैठाने के चक्कर मे मैक्सी पीछे का गेट खोल कर उस पर आदमी को खड़ा करा लेते है और टैम्पो मे साइडो मे लटका लेते है ये चलती गाड़ी पर सर्कस वाला नजारा देखने को मिलता है पर ये कोई सर्कस नही यहा पर लोगो की जिन्दगी का सवाल है लेकिन शासन सत्ता के लोग भी जान कर नजर अंदाज करते नजर आ रहे है दोपहिया चालको पर कसनी

टैक्सी चालको पर रहम

एक तरफ नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान चलाकर हर तरफ दोपहिया चालको की धर पकड़ शुरू कर दिया जगह जगह चेकिंग अभियान चलने लगा लेकिन वही पर टैक्सी चालको पर रहम बरता जा रहा है और उनकी हर मनमानी को नजर अंदाज किया जा रहा है

इनके लिए न तो कोई नियम है और ना ही कानून है ना ही किसी अधिकारी का डर तभी तो थाना मड़ियाव से सिधौली चलने वाली गाड़िया ओवर लोड चल रही है जबकी कई थाने और चौकिया बीच मे पड़ती है लेकिन मनमानी से बाज नही आ रहे है

आखिर इस मनमानी से कमाए गए चन्द्र पैसो के कारण अगर कोई हादसा हो गया तो उसका जिम्मेदार कौन होगा अगर तब शासन सत्ता के लोग जागेगें भी तो उससे किसी की जिन्दगी वापस नही आने वाली इस लिए सीतापुर रोड पर फर्राटा भर रही ओवर लोड गाड़ियो पर भी लगाम लगाना अति आवश्यक हो चुका है इस पर सम्बंधित विभाग के अधिकारियो को त्वरित ध्यान देना चाहिए।

आपदा प्रभावितों की हर सम्भव मदद के लिए कटिबद्ध है सरकार-सीएम

गोन्डा। शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने तहसील करनैलगंज अन्तर्गत एल्गिन–चरसड़ी बंधे का हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा अस्थाई रिंग बांध के कट जाने से प्रभावित होने वाले लोगों को हर सम्भव राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

दोपहर लगभग एक बजे पाल्हापुर बाढ़ राहत कैम्प पर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसी भी आपदा से प्रभावित होने वाले लोगों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए जनता जनार्दन को आश्वस्त करती है। उन्होंने कहा कि चाहे जिस प्रकार की भी आपदा हो सरकार द्वारा हर सम्भव और तत्काल मदद करने का प्रबन्ध किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि कतई न हो तथा पीड़ितों को हर सम्भव और अतिशीघ्र मदद मुहैया कराई जाय। उन्होने निर्देश दिए कि जलभराव वाले गांवों के लोगों को तत्काल राहत कैम्पों में विस्थापित करने का काम शुरू कर दिया जाए तथा कैम्पों में विस्थापितों को हर प्रकार की राहत सामग्रियां दी जायं। उन्होंने निर्देश दिए के राहत कैम्पों में जीवनरक्षक दवाओं के साथ अन्य आवश्यक दवाओं, भोजन, पेयजल, जानवरों के भूसा इत्यादि की उपलब्धता प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराई जाय। उन्होने जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न संगठनों के लोगों से अपील किया कि वे सब मिलकर आपदा पीड़ितों का राहत पहुंचाने में सहयोग करें।

आपदा पीड़ितों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाने का काम करें अधिकारी, जनप्रतिनिधियों व संगठनों से सहयोग की किया अपील

एल्गिन–चरसड़ी अस्थाई बांध के कटने पर उन्होने कहा कि आने वाले दिनों इस समस्या से स्थाई निजात मिलेगी। बाढ़ राहत तैयारियों से संतुष्ट सीएम ने बाढ़ प्रभावित लोगों से भी अपील किया कि वे स्थाई बांध बनाने में अवरोध उत्पन्न करने के बजाय सहयोग करें। इससे पूर्व प्रमुख सचिव सिंचाई टीө वेंकटेश ने बाढ़ प्रभावित गांव नकहरा में जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा वहां की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने के प्रतिब(है और इसीलिए वे इस वर्ष भी पीड़ितों का हाल चाल जानने आए हुए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा राहत कार्यों में कतई किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय।

इस दौरान सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह, जनपद के प्रभारी मंत्री उपेन्द्र तिवारी, भइया, विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह, विधायक कटरा बावन सिंह, विधायक मेहनौन रत्नाकर मिश्र, चीफ इन्जीनियर बाढ़ खण्ड, एसडीएम करनैलगंज गुलाम सरवर, सीओ जटाशंकर

समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री, आयुक्त देवीपाटन मण्डल सुधेश कुमार ओझा, डीआईजी देवीपाटन परिक्षेत्र ए0के0 राय, विधायक करनैलगंज अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला विनय द्विवेदी, विधायक गौरा प्रभात वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष पीयूष मिश्र, डीएम कैप्टेन प्रभांशु श्रीवास्तव, एसपी लल्लन सिंह, पूर्व सांसद सत्यदेव सिंह, सीडीओ अशोक कुमार, एडीएम राव, अधिशासी अभियन्ता बाढ़ विश्वनाथ शुक्ला, हिन्दू युवा वाहिनी जिलाध्यक्ष शारदाकान्त पाण्डेय सहित सभी विभागों के शीर्ष अधिकारी रहे। यहाँ एक बात समझ से परे है कि चरसडी बांध प्रतिवर्ष उसकी मरमत होती है अधिकारी उसका दौरा करते है प्लान बनाते है और प्रतिवर्ष

चरसडी बांध बार बार कटता है क्यों इस पर मंथन करने की जरूरत

वह कट जाता है और उसके आस पास रहने वाले लोग बेघर हो जाते है।

जिस उद्देश्य को लेकर बांध बनाया गया वह उद्देश्य बिहीन हो जाता है जब तक इसका अस्थाई हल नही निकाला जाएगा तब तक लोग बेघर होते रहेंगे, सरकार को उनके लिए इसी तरह की व्यवस्था करनी होंगी। अभी कुछ दिन पहले जिला अधिकारी और अन्य अधिकारी बांध का कई बार दौरा कर हकीकत जानी थी और कहा था कि आल इज वेल फिर कैसे यह घटना हो गयी। यह एक सोचने वाला प्रश्न है।

सम्पादकीय

उद्योगपति से याराना

पीएम नरेन्द्र मोदी के इस कथन का कि उन्हें उद्योगपतियों–कारोबारियों के साथ खड़े होने और दिखने में कोई आपत्ति नहीं है निश्चय ही लोग अपने अनुसार अर्थ लगाएंगे। कांग्रेस सहित कुछ दलों ने इस पर प्रश्न खड़ा भी किया है। किंतु इसमें गलत क्या है? प्रधानमंत्री ने यह तो नहीं कहा कि वह केवल उद्योगपतियों के साथ हैं। यह भी नहीं कहा कि कोई उद्योगपति यदि भ्रष्टाचार करेगा तो उसे छोड़ देंगे। उन्होंने तो यह कहा कि जो लोग गलत काम करेंगे वे या तो देश छोड़कर भागेंगे या फिर जेल जाने के लिए मजबूर हो जाएंगे। पिछले कुछ समय से मुख्यधारा की प्रमुख पार्टियां भी उद्योगपतियों एवं कारोबारियों के बारे में जिस तरह की अपमानजनक भाषा प्रयोग कर रहीं हैं, वह उचित नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने इसी पर चोट किया। यह बात कौन अस्वीकार कर सकता है कि देश के विकास में किसानों, मजदूरों, कारीगरों, सरकारी कर्मियों आदि के साथ उद्योगपतियों की भी भूमिका है? देश से लेकर राज्यों तक में कौन सी सरकार रही है, जिसने उद्योगपतियों को ज्यादा–से–ज्यादा उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कदम नहीं उठाए? आधुनिक अर्थव्यवस्था में उद्योगों की महत्त्वपूर्ण भूमिका से कौन इनकार कर सकता है। हां, अगर वे अपनी कमाई छिपाते हैं, पूरी कमाई का कर अदा नहीं करते, सरकारी विभागों को रिश्वत देकर काम निकालते है..तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन केवल राजनीति के लिए उनको गाली देना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं हो सकता। अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, नेता या नौकरशाह देशहित में उनका उपयोग करने के लिए उनके साथ बेहतर संबंध रखता है तो इसे शक की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। कांग्रेस सहित कई पार्टियां मोदी सरकार को उद्योगपतियों की सरकार कहकर आलोचना करतीं रहतीं हैं। मोदी के कहने का तात्पर्य यही था कि अगर हमारी नीयत साफ है, तो फिर उद्योगपतियों–कारोबारियों के साथ दिखने में डर नहीं होना चाहिए। वास्तव में प्रधानमंत्री ने इसके द्वारा उद्योगपतियों के बारे में देश की धारणा को तो बदलने की कोशिश की ही है, यह भी संदेश दिया है कि उनकी सरकार विकास के मामले में सही दिशा में काम करने वाले कारोबारियों के साथ है। हमारा मानना है कि अगर कोई उद्योगपति या कारोबारी गलत करता है तो उसका विरोध हो, लेकिन अनावश्यक रूप से उनको खलनायक बनाकर राजनीतिक रोटी सेंकने का रवैया खत्म होना चाहिए।

राफेल के रक्षा सौदे को विवाद बना दिया

राफेल विमान सौदा को इतने बड़े विवाद का विषय बना दिया गया है कि कुछ लोगों को इसमें तीन दशक पूर्व घटित बोफोर्स दिखने लगा है। राफेल हमारी वायुसेना के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है जिसे वायुसेना प्रमुख ने भी स्वीकार किया है। तो इसे छोड़कर अन्य आरोपों पर आएं इनमें पहला है, महंगा खरीदा जाना। सरकार का दावा है कि राफेल सौदा इसमें शामिल अस्त्र पण्रालियों के साथ संप्रग सरकार द्वारा किए गए मोलभाव से काफी कम में हुआ है। ध्यान रखने की बात है राफेल सौदा आपातकालीन खरीद प्रक्रिया के तहत हुई है।

वायुसेना द्वारा लड़ाकू विमानों की आवश्यकता बार–बार जताने के बावजूद खरीदा नहीं गया। संप्रग सरकार 2004 से 2014 तक विमान का सौदा नहीं कर सकी। 2015 आते–आते वायुसेना ने आपातकालीन आवश्यकता जता दी थी। इसलिए इसको टाला जाना हमारी रक्षा स्थिति पर क्या असर डाल सकती थी इसकी कल्पना करिए।जो स्थिति थी या है, उसमें भारत को सीधे शस्त्रास्त्र युक्त उड़ान भरने वाली स्थिति में विमान चाहिए। इसलिए वायुसेना की सहमति से 36 खरीदने का सौदा हुआ, पूर्व सरकार की योजनानुसार 126 का नहीं कांग्रेस का यह आरोप कैसे मान लिया जाए 2012 में 126 राफेल की तय कीमत से ज्यादा दी गई है। जब संप्रग सरकार ने सौदा किया ही नहीं तो तुलना कैसे की जा सकती है। अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांकोइस होलान्डे के साथ जिस स्मारपत्र पर हस्ताक्षर किया उसमें एमएमआरसीए यानी मेडियम मल्टी रोल कॉम्बैट एअरक्राफ्ट की बात है। संप्रग सरकार ने राफेल बनाने वाली दसॉल्ट कंपनी द्वारा दिए गए उस मूल्य को कभी सार्वजनिक नहीं किया जिसके आधार पर जनवरी 2012 में इसे सबसे कम बोली वाली कंपनी घोषित किया गया। सौदा इसलिए लटका रहा क्योंकि यह निर्णय ही नहीं हुआ कि 108 विमान बनाने की जिम्मेवारी हिन्दुस्तान ऐरोनौटिक्स लिमिटेड या एचएएल की होगी या फिर दस्सॉल्ट की। मोदी सरकार आने के बाद भी कुछ समय तक यह गतिरोध जारी रहा। तो सरकार ने नए सिरे से दोनों सरकारों के बीच यानी जीटूजी समझौते का निर्णय लिया। तब तक आपातस्थिति आ गई थी और सरकार ने वायुसेना से पूछकर 36 को सभी आवश्यक शस्त्र पण्राली के साथ खरीदने का फैसला किया। विमान व इसके अस्त्रों व आवश्यकता के अनुरूप परिवर्तन को मिलाकर करीब 75 हजार करोड़ रुपया का सौदा दिखाई देता है। कुछ विशेषज्ञों ने हिंसाब लगाया है कि सभी उपकरणों और परिवर्तनों को मिला दें तो यह संप्रग की तुलना में 59 करोड़ रु पया प्रति यान कम है।

रक्षा राज्य मंत्री ने 12 मार्च को इससे जुड़े उपकरणों, भारत के लिए विशेष रूप से किए जा रहे बदलावों, इसके मेन्टनेंस एवं सर्विस आदि को छोड़कर 670 करोड़ रु पये प्रति विमान बताया था। इसमें हवा से हवा में मार करने वाली मेत्योर मिसाइल, हवा से धरती पर मार करने वाली स्कैल्प क्रूज मिसाइल शामिल हैं। ये एमएमआरसीए के मूल समझौते में नहीं थी। इसका अर्थ है कि वायुसेना ने जैसे–जैसे आवश्यकता बताई है वैसे–वैसे उनके जुड़ने से दाम में अंतर आते गए हैं। जब आप दाम सार्वजनिक करेंगे तो आपको यह भी बताना होगा कि किस–किस उपकरण के लिए कितने दाम लगे हैं। क्या यह उचित होगा?

राहुल गांधी ने 17 जुलाई को लोक सभा में अविास प्रस्ताव पर र्चचा के दौरान कहा कि जब हमने फ्रांस के राष्ट्रपति से पूछा कि क्या इसमें कोई गोपनीय सौदा है तो उन्होंने कहा कि ऐसा कोई गोपनीय समझौता नहीं है। इंडिया टुडे ने मैक्रां से साक्षात्कार में पूछा था कि राफेल सौदे को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा सकता है? मैक्रों का जवाब था–सबसे पहले आपके पास ये व्यावसायिक समझौते हैं और स्पष्टतरू आपके प्रतिस्पर्धी भी हैं और हम उन्हें व्यावसायिक जानकारी जानने नहीं दे सकते। भारत में और फ्रांस में जब सौदा काफी संवेदनशील है, हम इसे व्यावसायिक कारणों से सार्वजनिक नहीं कर सकते। दूसरे, भारत सरकार इस पर बातचीत कर रही है और उन्हें इस पर विचार करना है कि वे कौन सी जानकारी संसद और विपक्ष को देना चाहेंगे। मैं इन वार्ताओं में हस्तक्षेप करने वाला कोई नहीं होता और आपको यह समझना होगा कि हमें व्यावसायिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना है। इंडिया टुडे का साक्षात्कार और राहुल गांधी के बयान विरोधाभासी हैं।

राफेल से जुड़ा एक बड़ा आरोप और है। वह है एचएएल से लेकर यह सौदा एक निजी कंपनी को दे दिया गया और जैसा राहुल गांधी कह रहे हैं। इससे कंपनी को 45 हजार करोड़ रुपये का लाभ हो गया जबकि उनके अनुसार उसने जीवन में एक विमान नहीं बनाया है। अनिल अंबानी का रिलायंए डिफेंस दस्सॉल्ट का भारतीय साझेदार अवश्य बना है लेकिन इसमें राफेल विमान का निर्माण शामिल नहीं है। इसे कंपनी अपने मूल स्थान में ही बनाएगी। सौदे के अनुसार दस्सॉल्ट को राफेल से प्राप्त राशि का 50 प्रतिशत भारत में निवेश करना है तो वह भारतीय कंपनियों के साथ निवेश करेगी । आप दस्सॉल्ट एविएशन का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि दस्सॉल्ट रिलायंस साझेदारी भारतीय उद्योगों के साथ की गई 72 साझेदारियों में से एक है। इसमें स्नेक्मा एचएएल ऐरोस्पेश इंजन के पुर्जे के लिए, सैम्टेल कॉकपिट डिस्प्ले, गोदरेज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ट सिस्टम आदि शामिल है।

सीसीटीवी पर घमासान

रजधानी दिल्ली में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के मसले पर यहां के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप राज्यपाल एक बार फिर से आमने–सामने हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक कार्यक्रम में सीसीटीवी को लेकर उप राज्यपाल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को मंच से फाड़ दिया। उनकी इस देहभाषा को संसदीय परंपराओं के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उनके इस अंदाज से राहुल गांधी की स्मृति ताजा हो गई, जब उन्होंने अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एक रिपोर्ट को सार्वजनिक तौर पर फाड़कर वाहवाही लूटनी चाही थी। हालांकि पार्टी के भीतर और बाहर उनके इस कृत्य की जमकर आलोचना हुई थी। यह बात दीगर है कि यहां पर अरविंद केजरीवाल के सामने केंद्र सरकार के प्रशासनिक अधिकारी अनिल बैजल हैं। अभी पिछले ही दिनों दिल्ली सरकार बनाम उप राज्यपाल विवाद में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने सर्वसम्मति के निर्णय में कहा था

कि लोकतंत्र में निरंकुशता और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। इसका आशय बहुत स्पष्ट है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी दोनों पक्षों पर लागू होती है। इसी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सलाह दी थी कि दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल मिल–जुलकर काम करें। शीर्ष अदालत की संवैधानिक पीठ ने अपने ऐतिहासिक फैसले में शासन सूत्र के सभी पहलुओं पर स्पष्ट आदेश दिया था, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि दोनों पक्षों के बीच विवाद अब भी बना हुआ है। हाल ही में दिल्ली सरकार ने फिर से सुप्रीम कोर्ट में अपील की है कि हमारे मामलों की जल्द सुनवाई की जाए क्योंकि अफसरों की ट्रांसफर और पोस्टिंग में उप राज्यपाल अड़ंगा लगा रहे हैं और हम कोई काम करने में असमर्थ हैं। यह अपील दिल्ली सरकार की तरफ से दायर की गई है। इसीलिए उसे बखूबी इस बात का पता है कि मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इसलिए उसे फैसले आने तक इंतजार करना चाहिए था। जाहिर है कि केजरीवाल ने उप राज्यपाल की रिपोर्ट को सार्वजनिक मंच से फाड़कर संसदीय परंपराओं का उल्लंघन किया है। यह ठीक है कि लोकतांत्रिक मूल्य सर्वश्रेष्ठ हैं। केजरीवाल स्वतंत्र फैसले ले सकते हैं मगर उनका आचरण भी संसदीय परंपराओं के अनुकूल होना चाहिए।

एनआरसी पर रार

पहले दिन से साफ था कि असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का अंतिम मसौदा अलग–अलग जनजातियों में इसके विरुद्ध कुछ समूहों ने हथियार उठाए हुए हैं। असम गण मसौदा है। सभी दावों और आपत्तियों के निपटारे के बाद समग्र एनआरसी का प्रकाशन

जिस दिन जारी होगा देश की राजनीति में तूफान खड़ा हो जाएगा। आखिर, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर असम में वास्तविक नागरिकों की पहचान के बाद काफी संख्या में ऐसे लोगों को बाहर होना ही था, जिनकी नागरिकता संदिग्ध हो। असम में बांग्लादेश से आने वाले विदेशी घुसपैठियों के विरु द्ध जनता का आंदोलन भूला नहीं जा सकता। आज भी यह मुद्दा जीवित है। विदेशी घुसपैठियों के कारण पूर्वोत्तर के कई इलाकों का जनसंख्या संतुलन ही नहीं बिगड़ा, बल्कि सामाजिक–आर्थिक–सांस्कृतिक जटिलताएं भी पैदा हो गई। असम में उग्रवाद का बड़ा कारण यही है। आठ जिले ऐसे हैं, जहां स्थानीय निवासियों को इसका घातक परिणाम भुगतना पड़ा है। परिषद की सरकार इसी मुद्दे पर बनी थी, लेकिन उस समय यह काम नहीं हो सका। फलतरू सरकार चली गई। भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया। जो नेता या राजनीतिक दल इस पर हंगामा कर रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि विदेशियों की छंटाई देशहित में है। यदि महापंजीयक कार्यालय कह रहा है कि 2.89 करोड़ नामों की नागरिकता मान्य है, और करीब 40 लाख का नहीं तो उसके पीछे तर्क होगा। भारत के महापंजीयक कह रहे हैं कि यह एनआरसी के अंतिम मसौदे के प्रकाशन के रूप में एक मील का पत्थर साबित होगा और एक ऐतिहासिक क्षण है तो उन पर संदेह करने का कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि यह केवल अंतिम किया जाएगा यानी जिन लोगों के नाम छूट गये हैं, वे दावों के साथ आ सकते हैं। उनकी जांच होगी। गलती है तो सुधार होगा। वैसे आज की स्थिति में पूरी तरह विदेशी नागरिकों की पहचान कठिन ही है। उनकी कई पीढ़ियां हो गई हैं। ऐसा न हो कि कोई कागजात न होने वाले भारतीय भी विदेशी की श्रेणी में आ जाएं। हो सकता है कि मूल निवासी होते हुए भी किसी आम गरीब के पास कोई संबंधित कागजात न हो। दूसरे, जो पड़ोसी देशों से अपने धर्म के कारण उत्पीड़ित होकर भगाए गए हैं, उनके प्रति सरकार को सहानुभूति से विचार करना चाहिए। कुल मिलाकर इस पर राजनीति न हो और इस आवश्यक कार्य को पूरा होने दिया जाए।

अपराधियों का संयुक्त परिवार

बिहार के मुजफ्फरपुर के एक बालिका आश्रय गृह ''सेवा संकल्प' में नाबालिग बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की सचाई प्याज के छिलके की तरह परत दर परत खुल कर सामने आने लगी है। यह घृणित और जघन्य यौन व्यापार खुद बालिका गृह के कर्ता–धर्ता कड़े प्रतिरोध व विपक्षी दलों के दबाव में ही सीबीआई जांच शुरू हो सकी। लेकिन विपक्षी दलों सहित अनेक सामाजिक–सांस्कृतिक संगठन पटना हाईकोर्ट की देखरेख में जांच पर अड़े हुएहैं। दरअसल, प्रथमदृष्टया इस घिनौने सामाजिक अपराध में सफेदपोश

की घोर निंदनीय, अमानवीय व घृणित संलिप्तता में संबद्ध विभाग, पुलिस, प्रशासन, राजनीति और न्यायपालिका के दबंग और रसूखदार लोगों के आपसी गठजोड़ से चल रहा था। इन सबमें सर्वाधिक सालने वाली रही–नागरिक समाज की चुप्पी। यह मानने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि इस कथित अपराध का मुख्य आरोपित ब्रजेश ठाकुर एक मोहरा भर है। वास्तविकता तो यह है कि यह पूरी तरह सिस्टम का फेल्योर है। सिस्टम आपने आप में अच्छा या बुरा नहीं होता है। पुलिस, प्रशासन, राजनीति और न्यायपालिका में यदि अच्छे और ईमानदार लोग होंगे तो सिस्टम अच्छा होगा ही। अगर भ्रष्ट और बेईमान हुए तो बेशक सिस्टम खराब होगा। इन तकाजों पर इस घिनौने अपराध को परखा जाए तो निष्कर्ष यही होगा कि बिहार का सिस्टम पूरी तरह भ्रष्ट और बेईमान हो गया है। मीडिया में तबकों की जैसी बहुस्तरीय भागीदारी पाई गई है। यह तबका रसूखवाला है और इसकी पहुंच शीर्ष सत्ता तक है। ऐसे में सीबीआई जांच अगर हाईकोर्ट की देखरेख में नहीं हुई तो इसका हश्र भी 1983 के चर्चित बॉबी हत्याकांड की तरह होगा, जिसमें तब के सत्ताधारी नेता और नौकरशाहों को बेदाग बचा लिया गया था। मुजफ्फरपुर का ताजा मामला तब सामने आया, जब मुंबई की संस्था ''टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस' ने अपनी रिपोर्ट में बच्चियों के यौन शोषण का जिक्र किया। जांच में 42 में से 34 बालिकाओं के साथ बलात्कार की पुष्टि हुई। यह दो महीने पहले की बात है। लेकिन तिस पर भी समाज कल्याण विभाग की मेहरबानी देखिये कि संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के दिन ही इसे एक अन्य परियोजना की मंजूरी दे दी। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि सीबीआई अपना काम करेगी।

मानव तस्करी जैसे अपराध पर लगाम कब?

दुनिया में मानव तस्करी को सबसे बड़ा अपराध माना जाता है पर इसमें हैरानी यह है कि 155 देशों में से 62 देशों में आज तक ''मानव तस्करी' के मामले में एक को भी अपराधी नहीं ठहराया गया। शायद यही वजह है कि इधर हाल में जब दिल्ली के मुनीरिका इलाके में दिल्ली महिला आयोग ने 16 नेपाली लड़कियों को दलालों के चंगुल से छुड़ाया गया, तो भी इसकी ज्यादा उम्मीद नहीं बंधी कि कोई सरकार और प्रशासन भविष्य में इस समस्या की पुख्ता रोकथाम की व्यवस्था कर पाएगा। इस मामले में स्थिति यह है कि नेपाल से तस्करी कर लाई गई लाख बच्चों (ज्यादातर लड़कियों) को मानव तस्करी में लगे रैकेट के जरिए एक देश से दूसरे देश पहुंचाया जाता है। कई देशों में तस्करी कर लाए गए लोगों को शरणार्थी के तौर पर देखा जाता है और चूंकि वहां पुख्ता एंटी ट्रैफिकिंग कानून नहीं हैं या उनके दूसरे देशों से सूचना बांटने और कार्रवाई करने के करार नहीं हैं, इसलिए ऐसे लोगों के भविष्य को लेकर लापरवाही बरती जाती है। ऐसे में मानव तस्करी में लगे लोगों को इस अवैध धंधे में फायदा ज्यादा और खतरा कम होता है।

सवाल है कि ह्युमन ट्रैफिकिंग में लाए गए लोगों का बाद महिलाओं को वहां से निकाल पाना कतई आसान नहीं होता है। हालांकि एक तय यह भी है कि देशों के भीतर एक राज्य से दूसरे राज्य में होने वाली मानव तस्करी अंततराष्ट्रीय तस्करी से कई गुना ज्यादा होती है। इसमें संदेह नहीं है कि मानव तस्करी के ज्यादातर मामलों में यह जानना काफी मुश्किल होता है कि मजदूरी या छोटी–मोटी नौकरी के नाम पर एक देश से दूसरे देश में अवैध रास्तों और तरीकों से धकेले गए लोग स्वेच्छा से ऐसा करते हैं या उन्हें बहला–फुसलाकर इसके लिए राजी कराया जाता है। लेकिन समस्या की विकरालता को देखते

लड़कियों को मुनीरिका की जिस जगह से छुड़ाया गया, वह पुलिस थाने से महज 500 मीटर दूर स्थित है, अरसे से नौकरी दिलाने के नाम पर लड़कियों को वहां लाया जा रहा था, लेकिन उसकी भनक पुलिस को नहीं लगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इन्हीं के साथ आई सात लड़कियों को पहले ही कुवैत और इराक भेजा जा चुका है। मानव तस्करी की कई विडबंनाएं हैं। जैसे में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के ड्रग्स एंड क्राइम ऑफिस के मुताबिक हर साल करीब 25 लाख लोग इसके शिकार होते हैं। इनमें से 80 फीसद महिलाएं और बच्चे होते हैं। इस बारे में यूनिसेफ के भी कुछ आंकड़े हैं। यूनिसेफ का कहना है कि हर साल करीब 12 आखिर क्या होता है? तो इसका अहम जवाब है यौन शोषण। गरीब, गृहयुद्ध में फंसे और उपेक्षित देशों से जबरन या धोखे से लाई गई लड़कियों में से करीब 80 फीसद को इसी धंधे में धकेला जाता है। यूरोपीय देश और खाड़ी के कुवैत–इराक जैसे देशों में ले जाई गई लड़कियों से जबरन देह व्यापार कराया जाता है। यूरोप इसके लिए एक पसंदीदा ठिकाना है क्योंकि वहां देह व्यापार में अच्छी कमाई होती है। इस समस्या से पीड़ित होने वालों में एशियाई देश सबसे आगे हैं क्योंकि गरीबी और भुखमरी से बचने के लिए कई बार लोग खुद ही अपने परिवारों की लड़िकयों को दलालों के हाथों सौंप देते हैं। एक बार इस दलदल में फंसने के हुए यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि आप्रवासन के नाम पर हो रहे गोरखधंधे पर रोक लगाई जाए और आप्रवास के पूरे मामले को कानूनी दायरों में लाया जाए?खास तौर पर महिलाओं की दुर्दशा के संबंध में ऐसा करने की तत्काल जरूरत है। मानव अंगों की सप्लाई, जबरन मजदूरी, भीख मंगवाने, शादी के लिए छल करने और शादी के बाद महिलाओं और उनके बच्चों की तस्करी करने जैसे जैसे अपराध मानव तस्करी के रूप में हो रहे हैं। ऐसे भी मामले सामने आए हैं जब लड़कियों को वक्त से पहले जवान करने के वास्ते उन्हें हॉर्मोन्स के इंजेक्शन दिए गए ताकि देह व्यापार की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

दसवें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ट्रेड वार पर दिखी एकजुटता

हाल ही में 25 से 27 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में आयोजित दसवें ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन की ओर पूरी दुनिया की निगाहें लगी हुई थीं। इस सम्मेलन का विशेष महत्त्व इसलिए था, क्योंकि इस समय पूरा विश्व अमेरिकी संरक्षणवाद और नियंतण्र आतंकवाद के खतरे का सामना कर रहा है। ब्रिक्स के सामने व्यापार युद्ध और आतंकवाद के असर से न केवल खुद को वरन पूरी दुनिया को बचाने की जिम्मेदारी है। यह महत्त्वपूर्ण है कि 27 जुलाई को 10वें ब्रिक्स सम्मेलन को जो ब्रिक्स घोषणापत्र ब्रिक्स देशों द्वारा जारी किया गया, उसमें अमेरिकी व्यापार संरक्षणवाद और नियंतण्र आतंकवाद से निपटने के लिए एक समग्र रुख का आह्वान किया गया है। 10वें ब्रिक्स सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच इस बात पर सहमति बनी कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियंतण्र ढांचे में स्थापित किए गए नियमों के आधार पर बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था ही आगे बढ़ेगी। अब अर्थतंत्र, कारोबार, वित्त, सुरक्षा और मानविकी के क्षेत्र सामूहिकता और सहयोग से ही आगे बढ़ेंगे। अब एकाधिकार और संरक्षणवादी प्रवृत्ति का पुराना दौर दोहराने नहीं दिया जाएगा। शिखर सम्मेलन में जनतंत्र एवं बहुपक्षीय सहयोग की जोरदार वकालत की गई है। 2030 तक भुखमरी की स्थितियों से पूरी तरह निपटने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यावरण के अनुकूल एनर्जी सिस्टम को विकसित करने के लिए ब्रिक्स एनर्जी रिसर्च कोऑपरेशन प्लेटफॉर्म बनाने का निर्णय लिया गया है। घोषणापत्र में कट्टरपंथ से निपटने, आतंकवादियों के वित्त पोषण के माध्यमों को अवरूद्ध करने, आतंकी शिविरों को तबाह करने और आतंकी संगठनों द्वारा

इंटरनेट के दुरूपयोग को रोकने जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल हैं।

ब्रिक्स देशों के समूह ने कहा कि आतंकी कृत्यों को अंजाम देने, उनके साजिशकर्ताओं या उनमें मदद देने वालों को निश्चित रूप से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। गौरतलब है कि कई 17 वर्ष पूर्व 2001 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन के जिस ब्रिक्स समूह ने अंतरराष्ट्रीय कारोबारी परिदृश्य में एकजुट होकर आगे बढ़ने के लिए कदम उठाए थे, वही समूह 2011 में दक्षिण अफ्रीका को साथ लेकर ब्रिक्स के नाम से चमकते हुए तेजी से कदम बढ़ा रहा है। ब्रिक्स की स्थापना का मुख्य उद्देश्य अपने सदस्य देशों की सहायता करना है। ये देश एक–दूसरे के विकास के लिए वित्तीय, तकनीक और व्यापार के क्षेत्र में एक–दूसरे की सहायता करते हैं। ब्रिक्स देशों के पास खुद का एक बैंक भी है। इसका कार्य सदस्य देशों और अन्य देशों को कर्ज के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करना है। ब्रिक्स देशों के पास दुनिया की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 30 फीसद हिस्सा है। विश्व का 18 प्रतिशत व्यापार ब्रिक्स देशों की मुट्ठी में है। पिछले 10 वर्षो में इन देशों ने नियंतण्र आर्थिक विकास में 50 प्रतिशत भागीदारी निभाई है। साथ ही पिछले 10 वर्षो में उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए ब्रिक्स एक महत्त्वपूर्ण मंच बन गया है। ब्रिक्स सदस्य देशों में एशिया, अफ्रीका, यूरोप एवं अमेरिका के देश शामिल हैं एवं जी20 के देश भी शामिल हैं।निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 10वें ब्रिक्स सम्मेलन में किया गया संबोधन अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा है। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे अमेरिकी संरक्षणवाद और आतंकवाद के मुद्दे को उठाया गया। मोदी ने कहा कि सभी राष्ट्रों को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे खुले नियंतण्र व्यापार में बाधक न बनें और उनकी धरती से कोई भी आतंकी गतिविधि न होने पाए। मोदी ने बहुपक्षवाद, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और नियम–आधारित विश्व व्यवस्था के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। निश्चित रूप से 10वां ब्रिक्स सम्मेलन पूरी दुनिया के साथ–साथ भारत के लिए बहुत उपयोगी रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में इस बात पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया कि यदि विश्व व्यापार व्यवस्था वैसे काम नहीं करती जैसे कि उसे करना चाहिए तो डब्ल्यूटीओ ही एक ऐसा संगठन है, जहां इसे मजबूत किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो दुनियाभर में विनाशकारी व्यापार लड़ाइयां ही 21वीं शताब्दी की हकीकत बन जाएंगी। डब्ल्यूटीओ के अस्तित्व को बनाए रखने की इच्छा रखने वाले देशों के द्वारा यह बात भी गहराई से आगे बढ़ाई जानी होगी कि विभिन्न देश एक–दूसरे को व्यापारिक हानि पहुंचाने की होड़ की बजाय डब्ल्यूटीओ के मंच से ही वैश्वीकरण के दिखाई दे रहे नकारात्मक प्रभावों का उपयुक्त हल निकालें। इस शिखर सम्मेलन से ट्रेड वॉर के खिलाफ सामूहिक रूप से संगठित होकर ट्रेड वार की धार पलटने का प्रयास हुआ है। चूंकि अभी चीन के खिलाफ खुलकर और भारत पर छिटपुट हमले की शक्ल में अमेरिका का ट्रेड वॉर चल रहा है। रूस पर अमेरिका के कई तरह के प्रतिबंध पहले से ही जारी हैं। ब्राजील से अमेरिका का अच्छा व्यापारिक रिश्ता कभी रहा ही नहीं। ऐसे में सम्मेलन में ब्रिक्स देश अमेरिका के इस आक्रामक रवैये को लेकर रणनीति बनाकर आगे बढ़े हैं। दसवें ब्रिक्स सम्मेलन में आर्थिक मुद्दों के अलावा आतंकवाद को समाप्त करने में सभी बिक्स देशों का सहयोग, संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में सुधार, साइबर सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और नियंतण्र व क्षेत्रीय मुद्दों के साथ–साथ आतंकवाद से लड़ने के लिए नई रणनीति बनाना महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। इस नई रणनीति के तहत अब ब्रिक्स के सभी देश पूरी ताकत से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों को मिलने वाले धन के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करेंगे और साइबर स्पेस में कट्टरपंथी प्रभाव पर नजर रखेंगे। इससे आतंकवाद से संघर्ष में काफी सहायता मिलेगी। निश्चित रूप से इस बार के शिखर सम्मेलन में पिछली बार के शिखर सम्मेलन से कहीं ज्यादा जोरदार ढंग से खुली और समावेशी विश्व अर्थव्यवस्था की मांग दोहराई गई है और विश्व को दृढ़तापूर्वक यह संदेश दिया गया कि कारोबार में सिर्फ अपना–अपना हित देखने के घातक प्रभाव होंगे। सम्मेलन के माध्यम से दुनिया को यह जोरदार संदेश दिया गया है कि बहुध्रुवीय दुनिया का निर्माण ब्रिक्स के घोषित लक्ष्यों में से एक है, लिहाजा अमेरिका के संरक्षणवादी कदमों और नियंतण्र आतंकवाद की प्रवृत्ति का मुकाबला करने के लिए ब्रिक्स के कदम अब तेजी से आगे बढ़ेंगे।

अखिलेश ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को बुलाया लखनऊ, चुनाव लड़ने की चर्चा तेज

लखनऊ। 2019 के लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ चुनावी रणनीति बनान शुरू कर दिया है। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नामों पर मंथन शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में है जिससे जीत मिलने की ज्यादा से ज्यादा संभावना हो। यही कारण है कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के एक करीबी को अखिलेश यादव ने अचानक लखनऊ बुलाया है जिसके बाद उनके सपा से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

यूपी की डुमरियागंज सीट महागठबंधन के बाद सपा और कांग्रेस के खाते में जाने की चर्चाएँ हो रही हैं। इसका एक अलग ही नजारा शनिवार को देखने को मिला जब पूर्व विधान सभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मुलाकात लखनऊ में हुई। इस मुलाकात के साथ चर्चा तेज हो गई कि माता प्रसाद पाण्डेय को सपा इस सीट से उम्मीदवार बना सकती है। ये खबरें इसीलिए ज्यादा आ रही हैं क्योंकि खुद अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पांडेय को फोन करके लखनऊ बुलाया था। इस मुलाकात के बाद खबर फैली है कि लोकसभा चुनाव के लिए उन्हें हरी झंडी मिल गई है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय पूर्वांचल की राजनीति में एक बड़ा चेहरा बन चुके हैं। स्व. वृजभूषण तिवारी, जनेश्वर मिश्र आदि के बाद माता प्रसाद पांडेय ही पूर्वांचल में सपा का ब्राम्हण चेहरा बचे हैं। ऐसी स्थिति में सियासी समीकरणों को साधने के लिये सपा इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहेगी। मुलायम के करीबी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इटवा विधानसभा क्षेत्र से कई बार विधायक और मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे 2 बार विधानसभा में वे स्पीकर रह चुके हैं। वे पहले भी लोकसभा का चुनाव 2 बार लड़े लेकिन दोनों बार जगदंबिका पाल से हार गए।

पड़ोसी ने 4 साल की मासूम के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। वाराणसी जिले के बनारस के चौबेपुर क्षेत्र में शुक्रवार एक युवक ने पड़ोस की चार वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म कर फरार हो गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बालिका का रात में मेडिकल परीक्षण कराया। शनिवार की सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक बाजार में आरोपी अखिलेश गुप्ता 22 साल की नमकीन, बिस्कुट इत्यादि की दुकान है। शुक्रवार की रात साढ़े आठ बजे के लगभग दुकान बंद होने पर आरोपी पड़ोस की बालिका को बहला फुसलाकर उसे पीछे ले गया। दुष्कर्म के दौरान बालिका के चीखने चिल्लाने पर वह भाग निकला।

बालिका के घरवालों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बालिका का मेडिकल कराया। चौकी इंचार्ज के निलंबन के चलते पहले से ही जाल्हूपुर चौकी खाली चल रही है। घटना के बाद थानाध्यक्ष ने रात में टीमें गठित कर दबिश शुरू की।

अमेठी : गोमती नदी पर पुल में दरार हादसे का भय, प्रशासन हुआ चौकन्ना

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिला के मुसाफिरखाना–बल्दीराय मार्ग के इसौली गांव के पास बने गोमती नदी पर पुल के बीचों–बीच मे पुल का कुछ हिस्सा धंस जाने के कारण आये दिन राहगीरो के लिये गति अवरोधक साबित हो रहा है। कोई बड़ा हादसा न हो उच्च अधिकारियों के द्वारा इसे बड़े वाहनों के आवागमन पर दीवार बना कर रोक लगा दी गई है।

आलाधिकारियो ने किया निरीक्षण

धंसे पुल से कई लोग अचानक में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। पीडब्लूडी से चीफ इंजीनियर अनुराग चतुर्वेदी, इंजीनयर के सी वर्मा,प्रांतीय खंड–3 अमेठी से अनिल कुमार, सेतु निगम के चीफ इंजीनियर व रेलवे विभाग से अधिकारी पहुच कर धंसे हुए पुल को जांच पड़ताल की तथा तुरन्त बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने के ईट दीवार बनवा दी गयी है।

बड़े वाहनों का आवागमन ज्यादा

बड़े वाहनों को इस पुल से आने जाने के लिए रोक दिया गया है। ज्ञात हो कि हलियापुर के आमघाट पुल से इसकी चौड़ाई ज्यादा होने के कारण इसी मार्ग से बड़े–बड़े वाहनों का आवागमन ज्यादा है।

तो कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

इसौली पुल से ही अमेठी, रायबरेली, फैजाबाद व सुल्तानपुर जनपद के लिए लोग छोटी बड़ी गाड़ियों से लोग आवागमन करते है कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है इस पुल का निर्माण तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्रा के कार्य काल मे बना था।

चौथे पीपे का बैठा बेलन

पुल का निर्माण सन 1982 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्रा ने शिलान्यास किया था। 1984 में पुल बनकर तैयार हुआ था, जिसकी लागत 1 करोड़ 60 लाख रुपये जो सात पीपों पे ढाला गया था, उसी चौथे पीपे का बेलन बैठ जाने के कारण ये गति अवरोधक जैसा हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

नौ वर्षीय बच्चे का अपरहण कर कुकर्म करने की कोशिश

लखनऊ। मेरठ जिले के खरखौदा में शुक्रवार को क्षेत्र का एक गांव निवासी युवक पड़ोस के ही एक छोटे बच्चे को खेतों में ले गया और उससे कुकर्म की कोशिश की। आरोपी से छूटकर बच्चा घर पहुंचा और परिजनों को घटना के बारे में बताया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नौ वर्षीय एक बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। तभी पड़ोस का एक युवक आया और उसे जंगल में ले गया तथा उससे कुकर्म करने की कोशिश की। बच्चा आरोपी की गिरफ्त से छूटकर निकलने में सफल रहा। घर पहुंचकर बच्चे ने अपने परिजनों को सारी घटना बताई। बच्चे की शिकायत पर बच्चे के माता पिता आरोपी के घर पहुंच कर आरोपी युवक की शिकायत की। लेकिन आरोपी पक्ष ने जान से मारने की धमकी देकर उसे भगा दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सरकार की आरक्षण नीति का पालन नहीं कर रहे एएमयू और जामिया : केंद्र

नयी दिल्ली। सरकार ने आज लोकसभा में कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) और जामिया मिलिया इस्लामिया स्वयं को 'अल्पसंख्यक संस्थान' मानते हुए सरकार की आरक्षण नीति का पालन नहीं कर रहे हैं। मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने वीरेंद्र कश्यप के प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि एएमयू और जामिया खुद को 'अल्पसंख्यक संस्थान' मानते हुए सरकार की आरक्षण नीति का पालन नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एएमयू और जामिया के अल्पसंख्यक दर्जे पर उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय में वाद विचाराधीन है। गौरतलब है कि हाल ही में लोकसभा में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत ने कहा था कि दोनों संस्थानों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को आरक्षण नहीं मिल रहा है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने से संबंधित विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए गहलोत ने कहा था कि सरकार को विश्वास है कि अदालत में पक्ष रखने के बाद इन संस्थानों में एससी–एसटी छात्रों को आरक्षण मिल सकेगा।

साधु को सीएम बनाने का खामियाजा भुगत रहा है उत्तर प्रदेश : मुलायम

देवरिया स्थित एक बालिका आश्रयगृह में यौन शोषण के आरोपों के बाद 24 लड़कियों को मुक्त कराए जाने के बाद राज्य की राजनीति तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सूबे के पूर्व ब्ड मुलायम सिंह यादव ने योगी आदित्यनाथ पर जमकर हमला किया है। मुलायम में कहा कि BJP ने एक साधु को सीएम बनाया है और देखिए राज्य में क्या हो रहा है। उन्होंने राज्य के कानून व्यवस्था को लेकर भी योगी पर कड़ा प्रहार किया। बता दें कि उत्तर प्रदेश के देवरिया स्थित एक बालिका आश्रयगृह में यौन शोषण के आरोपों के बाद 24 लड़कियों को मुक्त कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी थी। इस बीच, प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक ;कानून–व्यवस्थाद्ध आनंद कुमार ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच की जाएगी। उसमें रहने वाले बच्चों का मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। पाक्सो कोर्ट के सामने उनके बयान दर्ज कराए जाएंगे। विधिवत कार्रवाई की जाएगी।'' प्रदेश की महिला एवं परिवार कल्याण मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि उनके विभाग ने उस आश्रयगृह की मान्यता समाप्ति के आधार पर उसे बंद करने के आदेश दिये थे।

अब अपराधियों का बचना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है

लखनऊ। अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए अब केंद्र सरकार भी कमर कसने की तैयारी कर रही है। केंद्र सरकार अपराधियों की धर–पकड़ के लिए देश के सभी थानों में फिंगरप्रिंट और चेहरे की पहचान संबंधी डाटा को केंद्रीय प्रणाली से जोड़ने की योजना बना रहा है। अपराधियों के रिकॉर्ड को ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम से जोड़ने की योजना पर तेजी से काम शुरु हो गया है। इस सिस्टम के जरिए चेहरा पहचान प्रणाली और आंखों की पुतलियों की स्कैनिंग करने का प्रावधान है।

अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी

केंद्र की इस योजना से एक तरफ अपराधियों पर पुलिस की पकड़ बढ़ने के साथ ही अपराध जांच क्षमता को बढ़ावा देगा। इस सिस्टम के शुरु हो जाने से कोई भी व्यक्ति फर्जी आईडी से देश से बाहर नहीं जा सकेगा। केंद्र की इस योजना का लक्ष्य देशभर के सभी पुलिस थानों को सभी अपराधों और आपराधिक डाटा के साथ जोड़ने का है।

देशभर के 14 हजार से ज्यादा थानों को जोड़ने की योजना :

बताया जा रहा है कि आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम का पहला चरण पूरा होने के करीब है। इसके तहत देश भर में 15,500 पुलिस थानों में से 14,500 थानों को जोड़ा जाएगा। इस मामले में विभिन्न प्रशासनिक कारणों से केवल बिहार ही सबसे पीछे है। यहां करीब 850 पुलिस थानों को ही अब तक आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम जोड़ा गया है।

अमेरिका में इसी डेटाबेस का हो रहा इस्तेमाल

गौरतलब है कि अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई इसी डाटाबेस का इस्तेमाल कर रही है। भारत की सेंट्रल फिंगरप्रिंट ब्यूरो ;सीएफपीबीद्ध के डाटाबेस में फिलहाल 10 लाख फिंगरप्रिंट ही मौजूद हैं। गृह मंत्रालय राज्य फिंगरप्रिंट ब्यूरो के साथ मिलकर डाटाबेस को और बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

मुजफ्फरपुर बालिका गृह केस पर कांग्रेस के हंगामे के बाद लोकसभा बाधित

नई दिल्ली। बिहार के मुजफ्फरपुर बालिका गृह में नाबालिग बच्चियों के साथ हुए दुष्कर्म की घटना को लेकर लोकसभा की कार्यवाही सोमवार को थोड़ी देर के लिए बाधित रही। इस मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस ने साक्ष्यों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया और केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह से इस मामले में बयान देने की मांग की।

इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस की सदस्य रंजीत रंजन ने आरोप लगाया कि कुछ आरोपी नेपाल भाग गए हैं। उन्होंने कहा कि, 'मुद्दे पर जो आवश्यक गंभीरता दिखाई जाने की जरूरत थी, राज्य सरकार ने नहीं दिखाई।'

राष्ट्रीय जनता दल के नेता जय प्रकाश नारायण यादव ने भी इस मुद्दे को उठाया और आरोप लगाया कि सबूतों से छेड़छाड़ की जा रही है।

लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है लेकिन कांग्रेस और अन्य सदस्यों ने नारेबाजी करनी जारी

> ■ **राष्ट्रीय जनता दल के नेता जय प्रकाश नारायण यादव ने भी इस मुद्दे को उठाया और आरोप लगाया कि सबूतों से छेड़छाड़ की जा रही है।**

रखी। सुमित्रा ने इन सदस्यों से सदन की कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने, जिसके चलते कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। गौरतलब है कि बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक गैर सरकारी संगठन द्वारा संचालित बालिका गृह में 34 नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था।

महागठबंधन करेगा भाजपा का सफाया, भाजपा को यूपी में मिलेंगी सिर्फ तीन सीटें : आरएलडी

अलीगढ़। देश मे मोदी सरकार और भाजपा से किसान, गरीब, मजदूर वर्ग हताश हो चुका है, परेशान है जो चाहता है कि महागठबंधन बने और नफरत की राजनीति करने वालो को भगाए।

महागठबंधन पर सभी दल एक राय हैं, भाजपा का सफाया तय है और मोदी को यूपी में बमुश्किल सिर्फ तीन सीट ही 2019 में मिल पाएगी। यह कहना है राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री डॉ मसूद अहमद का। डॉ मसूद रविवार को मीडिया से वार्ता कर रहे थे।

रालोद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयंत चौधरी के 6 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने आए डॉ मसूद अहमद ने मोदी और योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपाराज में भ्रष्टाचार चरम पर है, कानून व्यवस्था बेहाल है लेकिन मोदी और योगी झूठे जुमले फेंक कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों से वोट भाजपा ने मांगे, वोट भाजपा के प्रत्याशियों को जनता ने दिए लेकिन अब सरकार आरएसएस के लोग चला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों के साथ छल किया है, एमएलए और एमपी परेशान है अफसर उनकी सुनती ही नही हैं, सिर्फ आरएसएस का राज है। उन्होंने कहा कि भाजपाराज में किसान बेहाल है, बिजली की दरें बेतहाशा बढ़ाकर उसके जख्म पर नमक छिड़कने का काम किया गया है। डॉ मसूद अहमद ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मोब लिचिंग की घटनाएं भाजपा की मिलीभगत से हो रही हैं, भाजपा सिर्फ हिन्दू मुस्लिम कराकर लोगों को मुद्दे से भटका रही है। भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए हिन्दू–मुस्लिम करा रही है लेकिन लोग अब समझ चुके हैं भाजपा की दाल गलने वाली नही है।

अमुवि में आरक्षण को लेकर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पहले योगी जी अपने नाथ सम्प्रदाय में , अपने मंदिर में दलितों को 23 प्रतिशत आरक्षण दें फिर हम दे देंगे। उन्होंने कहा कि अमुवि में दलितों को आरक्षण का मुद्दा उठाकर भाजपा राजनैतिक रोटियां सेंक रही है लेकिन दलित सब समझ रहा है। डॉ मसूद अहमद ने कहा कि किसानों की लड़ाई राष्ट्रीय लोकदल दमदारी से लड़ रहा है, जयन्त चौधरी जी आज देश के नौजवानों और किसानों की उम्मीद हैं। उन्होंने कहा कि अब भाजपा के दिन पूरे हो गए हैं 2019 में जनता आरएसएस और भाजपा को सबक सिखाएगी। इस अवसर पर रालोद जिलाध्यक्ष रामबहादुर चौधरी, रालोद नेता जियाउर्रहमान, पूर्व विधायक भगवती प्रसाद, मंडल अध्यक्ष डॉ इरफान, प्रतीक चौधरी एड, साबिर मालिक, चौ शिवकुमार सिंह, असलम एड, फुरकान खान आदि मौजूद रहे।

इगलास में जयंत चौधरी की जनसभा में शामिल होने के लिए रविवार को अलीगढ़ पहुंचे पूर्व मंत्री डॉ मसूद अहमद का कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत भी किया।

मोदी क्यों नहीं पहनते मुस्लिम टोपी? : शशि थरूर

नई दिल्ली। हाल ही में हिंदू पाकिस्तान वाले बयान को लेकर विवादों में रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने अब पीएम मोदी की नेकनीयती पर सवाल उठाया है।

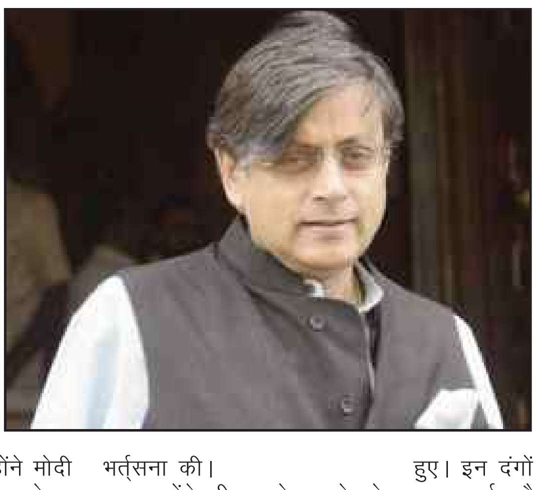

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने तिरुवनंतपुरम में नफरत के खिलाफ खड़े होने और असहिष्णुता एवं हिंसा विषय पर बोलते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी सभी तरह के कपड़े पहनते हैं। लेकिन मुस्लिम टोपी नहीं पहनते। खास बात ये है कि उन्हें इससे परहेज क्यों है?

इस अवसर पर उन्होंने मोदी और आरएसएस से लेकर सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश के साथ झारखंड में एक कार्यक्रम में हुई बदसलूकी का भी जिक्र किया और उन पर हमला करने वालों की जमकर भर्त्सना की।

उन्होंने पीएम के कपड़े के रंगों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को कभी किसी ने हरे रंग के कपड़े में नहीं देखा होगा।

थरूर ने स्वामी विवेकानंद की याद दिलाते हुए कहा कि आज स्वामी विवेकानंद होते तो वे स्वामी अग्निवेश पर हमला करने वाले गुंडों के निशाने पर भी होते। मोदी सरकार के कार्यकाल में दंगों का आंकड़ा भी सामने रखा। मोदी के अब तक के शासन काल में 2920 दंगे हुए। इन दंगों में 389 लोगों की हत्या हुई और आठ हजार से ज्यादा लोग घायल हुए।

आटा चक्की में विस्फोट होने से 2 लोगों की मौत, 5 घायल

लखनऊ। संत कबीर नगर जिले के धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के पोखरभिटवा गांव में शनिवार दोपहर आटा चक्की में विस्फोट होने से चक्की मालिक और क्षेत्र पंचायत सदस्य की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। घायलों को मेंहदावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मेहदावल के उप जिलाधिकारी जसधीर सिंह व सीओ मेहदावल आनंद पांडेय पहुंचे।

जानकारी के अनुसार राजाराम पासवान 35 पुत्र राम प्रसाद के पास ट्रैक्टर से चलने वाली मोबाइल आटा चक्की थी। शनिवार दोपहर वह चक्की चलाने के लिए गांव के ही इबारत अली का ट्रैक्टर मांग कर लाया था। गेहूं की पिसाई शुरू करते ही अचानक चक्की में विस्फोट हो गया।

चक्की में विस्फोट होने से राजाराम पासवान 35 और क्षेत्र पंचायत सदस्य ;बीडीसीद्ध रामराज 45 पुत्र लालदेव साहनी की मौत हो गई। गांव निवासी विक्रम पासवान 18, राकेश 20, अंजनी 12, सुंदरी 5, कृपाल 65 घायल हो गए। घायलों को मेहदावल सीएचसी लाया गया। यहां से विक्रम पासवान और राकेश को संयुक्त जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बिहार के बाद यूपी में भी बेटियों की इज्जत पर हमला, क्या छुपा रही है मोदी और योगी सरकार - मायावती

लखनऊ। बिहार के मुजफ्फरपुर की तरह उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले देवरिया के नारी संरक्षण गृह में महिलाओं के साथ जबर्दस्ती देह व्यापार का घिनौना काण्ड पर पूर्व सीएम मायवती ने योगी और मोदी सरकार को जमकर लताड़ लगाईं। मायावती ने कहा कि बिहार में मुजफ्फरपुर शेल्टर होम की तरह ही उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के नारी संरक्षण गृह में महिलाओं के साथ जबर्दस्ती देह व्यापार का घिनौना काण्ड यह साबित करता है कि बीजेपी की सरकारों में कितनी ज्यादा अराजकता है व महिलाओं की कितनी ज्यादा असुरक्षा व दुर्दशा है जो पूरे देश के लिये ही शर्म व अति–चिन्ता की बात है। सरकारी उदासीनता के कारण बिहार व देवरिया नारी संरक्षण गृह में भी जबर्दस्ती देह व्यापार कराने की लम्बे समय से चली आ रही घिनौनी घटना की तीव्र निन्दा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जघन्य घटनाओं से यह साबित होता है कि बीजेपी शासित राज्यों में थोड़ा नहीं बल्कि पूरा जंगलराज है तथा कानून–व्यवस्था की तरह ही महिला सुरक्षा व सम्मान भी बीजेपी के लिये प्राथमिकता नहीं बल्कि इनके लिये चिन्ता का आखिरी विषय है।

बंगले में तोड़फोड़ करने वालों पर रखा पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने 11 लाख का इनाम! मुजफ्फरपुर शेल्टर होम व देवरिया नारी संरक्षण गृह में दुष्कर्म का धन्धा चलाने वालों के खिलाफ सख्त–से–सख्त कानूनी कार्रवाई की माँग करते हुये मायावती ने कहा कि सरकारी संरक्षण के बिना यह सब अन्याय–अत्याचार व घोर पाप सम्भव ही नहीं है। इसलिए सरकारी अधिकारियों आदि पर भी कार्रवाई काफी सख्त होनी चाहिये, ना कि लीपापोती जैसी कोई बात, जो कि गंभीर से गंभीर घटनाओं में भी बीजेपी सरकारों की आम आदत बन गई है।

उप्र : आरडीएसओ की स्कैन डिवाइस रेल हादसों से बचाएगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) ने एक ऐसी अनोखी डिवाइस तैयार की है, जिसकी मदद से रेलवे को ट्रेन के गुजरने से पहले ही टूटी पटरियों की जानकारी मिल जाएगी। इस उपकरण की मदद से आए दिन होने वाले रेल हादसों से बचा जा सकता है। यह उपकरण अगले तीन महीने के भीतर लगनी शुरू हो जाएगी।

आरडीएसओ के अधिकारियों के मुताबिक, अल्ट्रासोनिक स्कैन डिवाइस तैयार कर ली गई है। इस डिवाइस की मदद से रेल पटरियों में टूट–फूट तुरंत पकड़ में आ जाएगी और हादसों को टालना आसान हो जाएगा।

रेलवे के सूत्रों के मुताबिक, विभाग रेल पटरियों में टूट–फूट से निपटने के लिए अभी तक सिंगल व डबल रेल टेस्टर स्कैन विधि का इस्तेमाल करता आ रहा था। लेकिन अब दो से तीन महीने में यह मशीन ट्रैक पर लगनी शुरू हो जाएगी और जल्द ही इसका असर दिखने लगेगा।

रेलवे इस तरह के आधुनिक डिवाइस की कमी लंबे अरसे से महसूस कर रहा था। इस डिवाइस के बनने के बाद पटरियों की बेहतर तरीके से जांच की जा सकेगी। इससे रेल हादसों पर लगाम लगने की उम्मीद है।

आरडीएसओ के कार्यकारी निदेशक नवीन कुमार सिन्हा ने कहा, "नई डिवाइस से काफी उम्मीद बंधी है। रेलवे पटरियों में टूट–फूट व अन्य खामियां पकड़ने के लिए अभी तक सिंगल व डबल रेल टेस्टर स्कैनर विधि का इस्तेमाल करता आ रहा है। इस तकनीक में किसी भी तरह की खामियों का डाटा लगातार रिकॉर्ड नहीं हो पाता है।"

कंप्यूटर पर काम करते समय सही बैठना जरुरी

आंखें हमारे शरीर का एक अभिन्न हिस्सा हैं, इसके बिना हम प्राकृतिक की खूबसूरती और दुनिया को देखने की कल्पना भी नहीं कर सकते। इसलिए आंखों की खास देखभाल अवश्य करनी चाहिए, ताकि ताउम्र हमारी आंखें स्वस्थ और उनकी रोशनी बरकरार रह सकें। आपको बता दे की बदलते लाइफस्टाइल में लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल फोन का क्रेज बहुत अधिक देखा जा रहा है, जिसपर लोग घंटों अपनी आंखें गढ़ाए बैठे रहते हैं, जिस वजह से आंखों की रोशनी धीरे–धीरे बहुत कमजोर हो जाती है और आंखों पर मोटा–मोटा चश्मा लगाने तक की नौबत आ जाती हैं। दरअसल, इसके पीछे वजह हमारा दिन–प्रतिदिन बिगड़ता लाइफस्टाइल भी हैं लेकिन अगर हम अपनी रुटीन लाइफ में काम करते समय कुछ आदतों को सुधार ले तो आंखों को कमजोर होने से पूर्ण्तः बचाया जा सकता है।

लाइट में करें काम

हम लोग क्या करते है कि रात को लेपटॉप और कंप्यूटर पर काम करते समय रुम की लाइट पूर्ण्तः बंद कर देते है जो बहुत ही गलत है क्योंकि जब यह लाइट हमारी आंखों पर पड़ती है तो आंखें खराब होने का डर बना रहता है। इसलिए हमेशा रुम की लाइट जलाकर ही लेपटॉप और कंप्यूटर पर काम करें।

कंप्यूटर से दूरी

सारा दिन कंप्यूटर पर नजरें गढाकर रखने से भी आंखों पर बहुत ही गहरा असर पड़ता है। वहीं काम करते समय अक्सर अपनी आंखों को कंप्यूटर से करीब 40 से.मी दूर रखें। इससे कंप्यूटर की लाइट का आंखों पर बहुत ही कम असर पड़ेगा।

आंखों को दें रेस्ट

काम करते हुए बीच–बीच में आंखों को रेस्ट भी दें। काम के दौरान हर 40 मिनट में थोड़ा ब्रेक लें और आंखों को बंद करके रेस्ट दें। इससे आंखों की थकान दूर रहेगी और आंखे हैल्दी भी रहेगी।

एक्सरसाइज

काम के दौरान दिन में दो बार आंखों की एक्सरसाइज करें। इसके लिए 5 मिनट तक आंखों की पुतलियों को पहले दाएं तरफ और फिर बाएं तरफ घुमाएं। इससे आंखें हमेशा ठीक रहेगी।

हरा पौधा देंखे

काम के दौरान हर एक घंटे बाद 10 मिनट तक किसी हरे पौधे को देखें। इससे आंखों और ब्रेन को रिलैक्स मिलेगा।

हैल्दी डाइट

अपनी डाइट में दूध, दही, पनीर, अंडा, गाजर और हरे पत्तेदार सब्जियां अवश्य शामिल करें। इनसे पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन विटामिन ए, ई और सी मिलेंगे, जो आंखों को हैल्दी रखेंगे।

आंखों को धोएं

प्रतिदिन कम से कम 4–5 बार आंखें धोएं। इससे आंखों में ड्राइनेस की प्रॉब्लम नहीं होगी और वह ताउम्र हैल्दी रहेगी।

अगर आप डिप्रैशन से बाहर निकलना चाहते है तो इन बातों का अवश्य रखें ध्यान

वर्तमान समय की तनावपूर्ण जिंदगी में डिप्रैशन एक आम समस्या बनती जा रही है, जिसका शिकार हर 5 में से तीसरा व्यक्ति हैं। आपको बता दे की डिप्रैशन किसी भी वजह से हो सकता है। दरअसल, हमारे दिमाग में एक व्हाइट मैटर होता है जिसमें फाइबर की मात्रा मौजूद होती है। यह मैटर दिमाग के सेल्स को एक–दूसरे से जुड़ने से रोकता हैं। इसी व्हाइट मैटर के जरिए हम अपनी भावनाओं को महसूस करते है और कुछ सोचने–समझने की क्षमता रखते हैं। डिप्रैशन के शिकार व्यक्ति में कई लक्षण दिखाई देते है, जिनमें से नींद न आना, घबराहट, तनाव, अकेले रहना आम हैं।

आज हम आपको रुटीन लाइफ में इस्तेमाल करने वाले कुछ टिप्स बताएंगे, जिनसे डिप्रैशन की प्रॉबल्म से निजात मिलेगी और मूड अच्छा रहेगा।

लंबी सांस लें

तनाव के कारण सामान्यतः हमारे ह्रदय की धड़कन बढ़ जाती है, इसलिए जब भी आप तनाव में हो तो खुली हवा में जाकर लंबी सांस लें और छोड़ें। इससे धड़कन नॉर्मल होगी और टेंशन दूर होगी।

डर पर काबू करें

दरअसल, अक्सर किसी डर के कारण भी व्यक्ति डिप्रैशन में चला जाता है। ऐसे में उन बातों को किसी दूसरे का साथ शेयर करके अपने दिमाग को पूर्ण्तः रिलैक्स करें। संगीत सुनकर, व्यायाम करके, किताबें बढ़कर अपने डर पर काबू पाने की कोशिश करें।

रोज सैर करें

ऐसा कहते है कि घर से बाहर निकल कर मन काफी बदल जाता है। अगर आप ज्यादा तनाव में है तो रोजाना सुबह–शाम वॉक पर जाए और अपने मन को फ्रैश करें।

कुछ चीजों की खुशबू से मन को बहुत शांति मिलती हैं। एक हल्की मनमोहक खुशबू तनाव को कुछ समय में दूर करके मूड में बदलाव लाती हैं।

बरसात के मौसम में इन लाभप्रद सब्जियों का करें सेवन, रोगों से रहेंगे दूर

डेस्क। आज हम सब्जियों को लेकर बात करे तो आपको ये बता दें कि मानसून हर किसी को काफी पसंद होता है। किन्तु ये मौसम अपने साथ काफी सारे रोग भी लेकर आता है। इस मौसम में गंदे बैक्टिरियां काफी शीघ्र फैलते हैं जो हमें बीमार कर देते हैं।

लौकी : लौकी मानसून की सब्जी है। इसमें विटामिन्स, आयरन, फाइबर होता है, जो शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य करती हैं। जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए लौकी किसी औषधि से कम नहीं।

करेला : करेला खाने में जितना कड़वा होता है स्वास्थ्य के लिए उतना ही फायदेमंद है। इसमें बहुत सारे विटामिन्स और खनीज खून साफ करने, मधुमेह को नियंत्रणकरने, पेट संबंधित समस्यों को दूर करने का काम करते हैं।

परवल : सर्दी–खांसी को दूर करने हेतु परवल की सब्जी का सेवन करें। इसकी सब्जी खाने से स्किन इंफेक्शन दूर होने के साथ ही चोट भी जल्दी भर जाती है।

ग्वार फली : इसमें प्रोटीन, घुलनशील फाइबर और विटामिन के, सी और ए काफी मात्रा में होते है। इसके सिवा फॉस्फोरस, कैल्शियम, आयरन तथा पोटेशियम भी होता जो दिल को स्वस्थ रखने का काम करता है।

भिंडी : मधुमेह के रोगियों के लिए भिंडी काफी लाभदायक है क्योंकि इसमें मौजूद सॉल्युबल फाइबर ग्लूकोज को खून में घुलने की प्रक्रिया को धीमा कर देती है जिससे खून में शुगर लेवल कम होता है।

आपकी हड्डियों को कमजोर करतीं इन चीजों को खाने से जल्द ही करें किनारा

इस बात से तो हम सभी वाकिफ हैं कि आहार हमारे स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव डालता है। जहां कुछ चीजों को खाने से हम हेल्दी रहते हैं, वहीं कुछ चीजों का सेवन शरीर पर विपरीत प्रभाव छोड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने खान–पान में पर्याप्त कोताही बरतें। तो चलिए आज हम आपको ऐसे कुछ आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी हड्डियों को कमजोर बनाती हैं–

अत्यधिक नमक का सेवन हड्डियों के लिए घातक साबित होता है। दरअसल, नमक में सोडियम की मात्रा काफी होती है जो शरीर में जाने के बाद कैल्शियम को यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकाल देता है, जिस वजह से शरीर में कैल्शियम की मात्रा कम हो जाती है और हड्डियों कमजोर हो जाती हैं।

अगर आप चॉकलेट खाने के शौकीन हैं तो थोड़ा सावधान हो जाएं। ज्यादा चॉकलेट खाने से शरीर में शुगर और ऑक्सलेट की मात्रा बढ़ जाती है, जिस वजह से शरीर में कैल्शियम प्रवेश नहीं कर पाता और हड्डिया धीरे–धीरे खोखली यानी कमजोर होने लगती हैं।

शराब तो हेल्थ के लिए कितनी हानिकारक है, यह तो हर कोई जानता है। लेकिन हय हड्डियों को भी नुकसान पहुंचाती हैं, शायद इस बारे में आपको पता न हो। शराब की ज्यादा मात्रा लेने से शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है और हड्डिया काम करना बंद कर देती हैं।

गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक का सेवन करते समय थोड़ा नियंत्रण रखना बेहद आवश्यक है। कोल्ड ड्रिंक्स में मौजूद कार्बन डाई ऑक्साइड और फास्फोरस शरीर में जाकर हड्डियों को खोखला बनाने का काम करता हैं।

तोंद से छुटकारा पाने के लिये जीवनशैली महत्वपूर्ण

मोटापा की कारण हमारा शरीर कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाता हैं। बढ़ते वजन को कम करने के लिए लोग कई महत्वपूर्ण तरीके आजमाते है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका कारण आपका गलत खान–पान है। कई बार आप जाने अनजाने कई ऐसी चीजों का सेवन कर लेते हैं, जोकि बैली फैट को बढ़ाने का काम करते हैं।

मोटापा वो स्थिति होती है, जब अत्यधिक शारीरिक वसा शरीर पर इस सीमा तक एकत्रित हो जाती है कि वो स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालने लगती है। मोटापा ना सिर्फ मधुमेह जैसे रोगोंको आमंत्रित करता है अपितु समानांतर रोगों का जन्म कारक भी है।

डा. हितेश कौशिक के अनुसार मोटापे का मुख्य कारण फेट बढ़ना होता है जो कि अपने–आप भी ऐसे रसायन स्राबित करता है जो सूजन बढा देते है। इसलिए उन्होंने लहसुन, अहरख, गिलोय का सेवन करने व व्यायाम व योग करने आवश्कता है।

डॉ. कौशिक के अनुसार प्रातः एक गिलास ठंडे पानी में 2 चम्मच शहद घोलकर पीने से भी कुछ दिनों में मोटापा कम होने लगता है।

इसके अलावा मूली के रस में थोडा नमक और निम्बू का रस मिलाकर नियमित रूप से पीने से मोटापा कम हो जाता है और शरीर सुडौल हो जाता है।

वहीं नियमित रूप से एक महीनें तक गेहूं का दलिया या गेंहूं के अंकुरण के रस का नियमित सेवन करने से भी मोटापा और मधुमेह में आश्चर्यजनक लाभ होता है ।

आज हम आपको कुछ ऐसी ही महत्वपूर्ण चीजों के बारे में भी याद दिला रहे हैं, जिनका सेवन वजन बढ़ने का कारण बन सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वजन बढ़ाने वाले इन अनहैल्दी फूड्स के बारे में।

पोटेटो चिप्स : शोधकर्ताओं का मानना है कि पोटेटो चिप्स बेली फैट के लिए सबसे खराब फूड है। इसमें सेचुरेटेड फैट और कैलोरी होती है, जोकि एब्डोमिनल फैट को बहुत ही तेजी से बढ़ाती है। इसलिए आज ही इसे अपनी डाइट से निकाल दें। इसकी बजाए आप ब्राउन राइस को अपनी डाइट में शामिल करें।

डाइट सोडा : सामान्यतः लोग वजन कम करने के चक्कर में डाइट सोडा पीना शुरू कर देते हैं लेकिन इससे भी बैली फैट बहुत तेजी से बढ़ता है। लोग डाइट सोडा को यह सोचकर पीते हैं कि इसमें बहुत कम कैलोरी होती है। इस कारण वह अनगिनत डाइट सोडा पी जाते हैं। इससे असंख्यक कैलोरी बैली फैट में जमा हो जाती है। इसकी बजाए व्हाइट टी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है।

पिज्जा : पिज्जा खाना तो हर व्यक्ति को पसंद होता है लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि वजन बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण पिज्जा भी है। पिज्जा में बहुत ज्यादा मात्रा में सेचुरेटेड फैट होता है, जो बैली फैट को बढ़ाने का काम करता है। अगर आप पतले बैली की चाह रखते हैं तो आज ही पिज्जा खाना छोड़ दें।

नॉनवेज फूड : बहुत सारे लोगों को यह लगता है कि नॉनवेज खाने से वजन नहीं बढ़ता लेकिन यह पूरी तरह गलत है। एक शोध के मुताबिक हर हफ्ते 2–3 बार नॉनवेज का सेवन बैली फैट को बढ़ाने का काम करता है। फैटी, फ्रैश रेडी मीट का सेवन एब्डोमिनल ओबेसिटी को बुलावा देता है।

चाय पीने का शौक है तो इस अद्भुत चाय से करें दिन की शुरूआत

बहुत से लोगों को चाय पीना काफी पसंद होता है और वे अपने दिन की शुरूआत भी चाय पीकर ही करते हैं। लेकिन दूध से बनी चाय का सेवन खाली पेट करने से सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ते हैं। तो चलिए आज हम आपको एक ऐसी अनोखी चाय के बारे में बता रहे हैं, जिसका सेवन यदि सुबह–सुबह किया जाए तो व्यक्ति खुद को रोग मुक्त रख सकता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं प्याज की चाय की। एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन्स, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मिनरल्स और फाइबर जैसे गुणों से भरपूर प्याज की चाय सेहत के कितनी लाभकारी है, इसका आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में–

प्याज की चाय की मदद से कैंसर को दूर रखा जा सकता है। दरअसल, प्याज में घुलनशील फाइबर होते हैं जो कि त्वचा और आंत से टॉक्सिन को बाहर निकालकर कैंसर सेल्स को पनपने से रोकते हैं। इससे आप कैंसर के खतरे से बचे रहते हैं।

वहीं बारिश के मौसम में सर्दी–जुकाम होने पर भी इसका सेवन करना लाभदायक माना गया है। प्याज में मौजूद फायटोकेमिकल्स और विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, जिससे आप बदलते मौसम में जल्दी बीमार नहीं होते।

आज के समय में बहुत से लोग हाइपरटेंशन पीड़ित है। ऐसे में प्याज की चाय का सेवन उनके लिए फायदे का सौदा हो सकता है। दरअसल, प्याज में पाए जाने वाला क्वेरसेटिन नाम का पिग्मेंट, ब्लड क्लॉट बनने से रोकता है, जिससे हाइपरटेंशन का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

वहीं जिन लोगों को नींद न आने की समस्या है, वे रोज 1 कप प्याज की चाय का सेवन करें। इसमें मौजूद औषधीए गुण आपके दिमाग को शांत करेगी, जिससे आपकी अनिद्रा की समस्या दूर हो जाएगी। इसके लिए दिन में एक बार प्याज की चाय का सेवन जरूर करें

पैर छूना केवल संस्कार ही नहीं, बीमारियों को भी रखता है दूर

हमारी भारतीय संस्कृति में बड़े व्यक्तियों के पैर छूने को बहुत अधिक महत्व दिया गया है। भारत में लोग बड़ों के प्रति अपना आदर व सम्मान व्यक्त करने के लिए उनके पैर छूते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि पैर छूना सिर्फ हमारी संस्कृति का ही एक अहम हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके कारण आप बहुत सी बीमारियों को भी खुद से दूर रख सकते हैं।

किसी के पैर छूने से आपको उनका आशीर्वाद तो मिलता ही है, साथ ही ऐसा करने से आपकी कमर और रीढ़ की हडडी को भी आराम मिलता है।आपका पैर छूने का तरीका भी बहुत महत्व रखता है। जब आप साष्टांग प्रणाम करते हैं तो आपके शरीर का तनावमुक्त हो जाता है।

घुटनों के बल बैठकर पैर छूने से जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है।जब आप आगे की ओर झुक किसी के पैर छूते हैं तो इससे आपके सिर में भी रक्त प्रवाह बढ़ता है, साथ ही ऑक्सीजन भी आपके दिमाग तक बेहतर तरीके से पहुंचती है। जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी है।

स्कूल में होने वाली मॉरल साइंस की क्लास में ही नहीं बल्कि घर में भी बच्चों को मॉरल ट्रेनिंग देना बेहद जरूरी है। जैसे कि सुबह उठकर बड़ों के पैर छूना, मंदिर जाना और दादा दादी के साथ बैठकर उनसे बात करना आदि। इससे बच्चों में अच्छे संस्कार आते हैं। इससे जो बच्चे सिंगल फैमिली में रहते हैं वे भी रिश्तों के महत्व को अच्छे से समझ सकते हैं।

अक्सर ऐसा होता है कि जिन बच्चों के माता पिता दोनों वर्किंग होते हैं वे दिन भर टीवी, मोबाइल, और कम्प्यूटर में लगे रहते हैं। मां के तौर हर महिला का यह दायित्व है कि वह अपने बच्चों को बेहतर परवरिश दे और उन्हें संस्कारी और बेहतर मनुष्य बना सके। बच्चों को जितना हो सके गैजेट्स से दूर रखने की कोशिश करें। बच्चों को मम्मी की हेल्प और घर के छोटे छोटे काम करना सिखाना चाहिए इससे उनके अंदर जिम्मेदारी की भावना आती है।

स्कूल के समय बच्चों के पास एक्सट्रा ऐक्टीविटीज के लिए समय कम होता है। इसलिए छुट्टियों के समय उन्हें डांस, स्विमिंग और एक्सर्साइज के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए।

पेड़ पौधों की दुनिया से बच्चों का जुड़ना उनके मन–मस्तिष्क और स्वास्थ्य के लिए बेहतर साबित होता है। बारिश के इस सीजन में बच्चों के हाथों से छोटी सी बगिया तैयार करवाई जा सकती है। अपने द्वारा लगाए गए पौधों की देखभाल करने से प्रकृति के साथ उनका लगाव बढ़ेगा और वह पर्यावरण की अहमियत को भी करीब से समझ सकेंगे। इससे बच्चों में पेड़–पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

आजकल के माहौल में मोबाइल और टीवी से समय से पहले गैर जरूरी चीजों को सीख रहे बच्चों को मॉरल ट्रेनिंग देनी चाहिए। जैसे कि सुबह उठकर बड़ों के पैर छूना, मंदिर जाना और दादा दादी के साथ बैठकर उनसे बात करना आदि। इससे बच्चों में अच्छे संस्कार आते हैं। इससे जो बच्चे सिंगल फैमिली में रहते है वे भी रिश्तों के महत्व को अच्छे से समझ सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि जिन बच्चों के माता पिता दोनों वर्किंग होते हैं वे दिन भर टीवी, मोबाइल और कम्प्यूटर में लगे रहते हैं।

बच्चों को जितना हो सके गैजेट्स से दूर रखने की कोशिश करें। बच्चों को मम्मी की हेल्प और घर के छोटे छोटे काम करना सिखाना चाहिए इससे उनके अंदर जिम्मेदारी की भावना आती है। स्कूल के समय बच्चों के पास एक्स्ट्रा ऐक्टिविटीज के लिए समय कम होता है। इसलिए छुट्टियों के समय उन्हें डांस, स्विमिंग और एक्सर्साइज आदि के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए।

कार्यसमिति बैठक के पहले भाजपा की चुनावी सेना तैयार

लखनऊ। मेरठ में 11 अगस्त से होने जा रही दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के पहले ही भाजपा ने चुनावी युद्ध के लिए अपनी सेना तैयार कर ली है। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय ने प्रकोष्ठों, मोर्चों विभागों और प्रकल्पों के प्रदेश प्रभारियों, संयोजकों और सहसंयोजकों के नामों की घोषणा की है। इनमें से कुछ का गठन तो करीब ढाई साल बाद हुआ है। पार्टी अध्यक्ष अमित शाह की मंशा भी यही थी कि कार्यसमिति के पहले ही मोर्चा और प्रकोष्ठों का गठन पूरा कर लिया जाए।

अंतिम दिन होगी चुनावी रोडमैप पर चर्चा

कार्यसमिति के अंतिम दिन अमित शाह वर्ष 2019 के आम चुनाव के रोडमैप पर चर्चा करेंगे। इसी दिन किसे क्या करना है यह भी तय हो जाएगा। दायित्व का स्पष्ट बंटवारा कार्यकर्ताओं को इस बात का संकेत होगा कि अब वह पूरी तरह चुनावी मोड में आ जाएं। पदों को बांटने में क्षेत्रीय और जातीय समीकरण साधने के साथ ही कार्यकर्ताओं को यथासंभव मौका देने का भी प्रयास किया गया है। पिछले दिनों जिनको मुख्यधारा के पदों पर मौका नहीं मिल सका था, उनको भी सम्माजनक तरीके से समायोजित किया गया है। मसलन तीन क्षेत्रों से जिन तीन पूर्णकालिक संगठन महामंत्रियों को हटाया गया था, उनको भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह पार्टी मीडिया से जुड़े लोगों का भी समायोजन किया गया है। इस क्रम में शिवकुमार पाठक को प्रकोष्ठों का, अशोक तिवारी को विभागों और प्रकल्पों का प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। ओमप्रकाश श्रीवास्तव को अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश सहप्रभारी बनाया गया है। पिछड़ा और किसान मोर्चा का सहप्रभारी बृजबहादुर को बनाया गया है।

विभाग : सुशासन केंद्र–राज्य शासकीय कार्यक्रम समन्वय–संयोजक–चंद्रभूषण पांडेय, सहसंयोजक–कर्नल कमलेश्वर नाथ त्रिपाठी, चंद्रभान राय और वीरेंद्र तिवारी।

नीति विषयक शोध–संयोजक पुष्कर मिश्रा, सहसंयोजक– अंतरयामी सिंह, आलोक पांडेय।

मीडिया संपर्क–संयोजक तरुण कांत त्रिपाठी, सहसंयोजक–नवीन श्रीवास्तव, राकेश त्रिपाठी, सुधाकर सिंह कुशवाहा, अभय सिंह।

प्रशिक्षण–संयोजक–अरुण वशिष्ठ, सहसंयोजक शिवभूषण सिंह, दयाशंकर यादव, रविंद्र राजौरा।

राजनीतिक प्रतिपुष्टि– संयोजक–राजेश्वर सिंह, सहसंयोजक–स्वतंत्र प्रकाश गुप्त, राजेश राय, चंचल त्रिपाठी।

राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं बैठक– संयोजक नागेंद्र गामा दूबे, सहसंयोजक मान सिंह, राकेश श्रीवास्तव, साकेत सिंह।

डाक्यूमेंटशन एवं गंथालय–संयोजक केशो मेहरा, सह संयोजक–रामसेवक सोनकर।

सहयोग आपदा राहत एवं सेवाएं–संयोजक–मणिकांत जैन, सहसंयोजक–कुमार अशोक पांडेय, आनंद पांडेय।

अध्यक्षीय कार्यालय प्रवास एवं कार्यक्रम–संयोजक–देवेश कुमार, सहसंयोजक मनोज कुमार तिवारी।

ट्रस्ट समन्वय दृ संयोजक –डा.वीरेंद्र सिंह, सहसंयोजक अजीत जैन, अरविंद सिंघल, राजेंद्र तिवारी।

चुनाव प्रबंधन–संयोजक–अरुण कांत त्रिपाठी, विजय प्रताप सिंह, अशोक द्विवेदी।

चुनाव आयोग संपर्क–संयोजक–अखिलेश अवस्थी, सहसंयोजक नितिन माथुर, प्रखर मिश्रा।

कानूनी एवं और विधिक विषय–संयोजक शिवशंकर वर्मा, सहसंयोजक राजेश्वर त्रिपाठी, राजीव मिश्रा, विक्रम पटेल।

पार्टी पत्रिकाएं और प्रकाशन–संयोजक–अरुण कांत त्रिपाठी, सह संयोजक–रामरक्षा द्विवेदी, राजकुमार, उत्तम ओझा,

आइटी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रबंधन–संयोजक–संजय राय, सह संयोजक कामेश्वर ,अमित मिश्रा, अंकित सिंह चंदेल, सौरभ मारोदिया, विनीत मालवीय।

विदेश संपर्क–संयोजक डा.रजनीश सरीन, सह संयोजक राज राजेश्वर सिंह।

आजीवन सहयोग निधि–संयोजक संजीव अग्रवाल, सह संयोजक प्रेम कपूर, अशोक गोयल, प्रदीप भार्गव।

प्रकोष्ठ : विधि–संयोजक प्रशांत अटल, सहसंयोजक–रणजीत कुशवाहा, दिलीप अवस्थी, पंकज गुप्ता, सुधीर मिश्रा।

प्रबुद्ध–

संयोजक प्रो.अनिल मिश्रा, सह संयोजक डॉ.आरए वर्मा, डॉ.मनोज शिवाच, डॉ. अभयमणि त्रिपाठी, भुवन भूषण कमल।

व्यावसायिक–संयोजक– ओमप्रकाश गोयल, सहसंयोजक– ओपी मिश्रा।

चिकित्सा– संयोजक–डॉ.एलएस ओझा, सहसंयोजक–डॉ.परमेंद्र माहेश्वरी, डॉ.एचएन सिंह पटेल, डॉ.राम कपूर, डॉ.शैफाली चौधरी।

आर्थिक प्रकोष्ठ–संयोजक–नवल टंडन, सहसंयोजक–गिरिजा शंकर गुप्ता, लालू गंगवानी।

व्यापार–संयोजक–विनीत अग्रवाल शारदा, सहसंयोजक–रमेश जायसवाल, राजेश मसाला, मनीष गुप्ता, सुनील रामा।

सहकारिता– संयोजक आरपी कुशवाहा, सहसंयोजक आलोक सिंह, रामपाल पुंडीर, मारकंडेय राय।

पूर्व सैनिक–संयोजक कर्नल दयाशंकर दूबे, सह संयोजक कर्नल राजीव रावत।

सांस्कृतिक–संयोजक–अल्पना तलवार, सहसंयोजक रवि सतीजा, दीपक सिंह।

बुनकर–संयोजक–आरडी पाल, सहसंयोजक मंगल सेन कोरी।

शिक्षक–संयोजक–डॉ.रंजन शर्मा, सह संयोजक–डॉ. यादवेंद्र सिंह।

मछुआरा–संयोजक कन्हैया लाल निषाद, सहसंयोजक–राम किरण निषाद, रमेश वर्मा, रामजीलाल कश्यप।

स्थानीय निकाय–संयोजक–अमित अग्रवाल, सहसंयोजक मुरारीलाल, प्रांशु द्विवेदी, संजीव राय।

पंचायत–संयोजक–रमेश सिंह, सहसंयोजक–महाराज सिंह, सुंदरपाल तेवतिया, गोविंद यादव, श्याम सिंह सिसोदिया।

एनजीओ–संयोजक–अशोक नागर, सहसंयोजक–सुनील जैन, डॉ. प्रीती वर्मा।

वरिष्ठ नागरिक–संयोजक–बालचंद्र मिश्रा, सहसंयोजक–रामकुमार शुक्ला, हरीश चंद्र भाटी, अयोध्या सिंह पटेल।

लघु उद्योग–संयोजक–अमित गुप्ता, सहसंयोजक–हरिओम चौहान, सुधीर मिश्रा, लाडली प्रसाद गुप्ता, मनोज गुप्ता।

प्रकल्प : जिला कार्यालय निर्माण–संयोजक– श्यामनंदन सिंह, सहसंयोजक–वीके मिश्र, किशन सिंह, दिवाकर मिश्र।

कार्यालय आधुनिकीकरणः संयोजक–सुरेश सिंह।

ग्रंथालय निर्माण–संयोजक–राम मिलन राम, सहसंयोजक–शिब्बू आर्य।

स्वच्छता अभियान–संयोजक सत्येंद्र मिश्रा, सहसंयोजक रोहित कपूर।

बेटी बचाओ–बेटी बढ़ाओ –संयोजक–रचना अग्रवाल, सहसंयोजक पूनम मिश्रा, अनिता दीक्षित, डॉ.कंचन जायसवाल, डॉ.अलका राय, रामेश्वर।

नमामि गंगे–संयोजक–कृष्ण दीक्षित बड़े, सहसंयोजक–वीरपाल निर्वाल, धीरज सक्सेना, हेमंत गुप्ता।

राष्ट्रीय सदस्यता अभियान–संयोजक–जमुना चतुर्वेदी, सहसंयोजक–गंगासागर दूबे, अरविंद भारती।

राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान–संयोजक–विभूति नारायण सिंह, सह संयोजक–देवेंद्र शर्मा, मुन्ना दूबे।

पत्ता-गोभी घातक हो सकता है

हाल ही न्यूज पेपर्स में एक न्यूज थी आठ साल की बच्ची और दिमाग में 100 से ज्यादा कीड़े के अंडे.थे।

उसके माता–पिता के लिए समझ पाना बहुत मुश्किल था कि आख़रि क्यों उनकी बेटी लगभग हर रोज सिर दर्द की शिकायत करती है. क्यों उसे रहते–रहते दौरे आने लगते हैं.

लगभग 6 महीने से ऐसा चल रहा था, लेकिन जब इसकी वजह पता चली तो उन्हें यकीन नहीं हुआ.

बच्ची के दिमाग में 100 से ज़्यादा टेपवर्म यानी फीताकृमि के अंडे थे. जो दिमाग में छोटे–छोटे क्लॉट (थक्के) के रूप में नजर आ रहे थे.

गुड़गांव स्थित फोर्टिस अस्पताल में न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. प्रवीण गुप्ता की देखरेख में बच्ची का इलाज चल रहा है.

डॉ. गुप्ता बताते हैं ष्हमारे पास आने से पहले वो इलाज करवा रही थी. उसे तेज सिर दर्द की शिकायत थी और दौरे पड़ते थे. वो दिमाग में सूजन और दौरे पड़ने का ही इलाज करवा रही थी.'

बच्ची के दिमाग की सूजन कम करने के लिए लिए बच्ची को स्टेरॉएड्स दिया जाने लगा था. इसका असर ये हुआ कि आठ साल की बच्ची का वजन 40 किलो से बढ़कर 60 किलो हो गया.

वजन बढ़ा तो और तक़लीफ बढ़ गई. चलने–फिरने में दिक्क़त आने लगी और सांस लेने में तक़लीफ शुरू हो गई. वो पूरी तरह स्टेरॉएड्स पर निर्भर हो चुकी थी.

बच्ची जब डॉ गुप्ता के पास आई तो उसका सिटी–स्कैन किया गया. जिसके बाद उसे न्यूरोसिस्टिसेरसोसिस से पीड़ित पाया गया.

डॉक्टर गुप्ता बताते हैं 'जिस समय बच्ची को अस्पताल लाया गया वो होश में नहीं थी. सिटी स्कैन में सफेद धब्बे दिमाग में नजर आए. ये धब्बे कुछ और नहीं बल्कि फीताकृमि के अंडे थे. वो भी एक या दो नहीं बल्कि सौ से ज़्यादा की संख्या में.'

जब बच्ची डॉ. गुप्ता के पास पहुंची तो उसके दिमाग पर प्रेशर बहुत अधिक बढ़ चुका था. अंडों का प्रेशर दिमाग पर इस कदर हो चुका था कि उसके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था.

डॉ गुप्ता बताते हैं, 'सबसे पहले तो हमने दवाइयों से उसके दिमाग का प्रेशर (दिमाग में कोई भी बाहरी चीज आ जाए तो इससे दिमाग का अंदरूनी संतुलन बिगड़ जाता है) कम किया. उसके बाद उसे सिस्ट मारने की दवा दी गई. ये काफी ख़तरनाक भी होता है क्योंकि इस दौरान दिमाग का प्रेशर बढ़ भी सकता है.'

फिलहाल अंडों को ख़त्म करने की पहली ख़ुराक बच्ची को दी गई है, लेकिन अभी सारे अंडे ख़त्म नहीं हुए हैं.

डॉ. गुप्ता बताते हैं दिमाग में ये अंडे लगातार बढ़ते रहते हैं. ये अंडे सूजन और दौरे का कारण बनते हैं.

पर दिमाग तक पहुंचे कैसे ये अंडे?

डॉ. गुप्ता बताते हैं कि कोई भी चीज जो अधपकी रह जाए तो उसे खाने से, साफ–सफाई नहीं रखने से टेपवर्म पेट में पहुंच जाते हैं. इसके बाद ख़ून के प्रवाह के साथ ये शरीर के अलग–अलग हिस्सों में चले जाते हैं.

'भारत में मिर्गी के दौरे की एक जो बड़ी परेशानी है उसका एक प्रमुख कारण टेपवर्म है. भारत में टेपवर्म का संक्रमण बहुत ही सामान्य है. क़रीब 12 लाख लोग न्यूरोसिस्टिसेरसोसिस से पीड़ित हैं, जो मिर्गी के दौरों का एक प्रमुख कारण है.'

टेपवर्म है क्या?

टेपवर्म एक तरह का पैरासाइट है. ये अपने पोषण के लिए दूसरों पर आश्रित रहने वाला जीव है. इसलिए ये शरीर के अंदर पाया जाता है, ताकि उसे खाना मिल सके. इसमें रीढ़ की हड्डी नहीं होती है.

इसकी 5000 से ज़्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं. ये एक मिमी से 15 मीटर तक लंबे हो सकते हैं. कई बार इसका सिर्फ एक ही आश्रय होता है तो कई बार एक से अधिक. इसका शरीर खंडों में बंटा होता है.

इसके शरीर में हुक के जैसी संरचनाएं होती हैं जिससे ये अपने आश्रयदाता के अंग से चिपका रहता है. शरीर पर मौजूद क्यूटिकिल की मदद से यह अपना भोजन लेता है. यह पचा–पचाया भोजन ही लेते हैं क्योंकि इनमें पाचन–तंत्र नहीं होता है.

कैसे फैलता है ये?

टेपवर्म फ्लैट, रिबन के जैसी संरचना वाले होते हैं. अगर फीताकृमि का अंडा शरीर में प्रवेश कर जाता है तो यह आंत में अपना घर बना लेता है. हालांकि जरूरी नहीं कि ये पूरे जीवनकाल आंत में ही रहे, खून के साथ ये शरीर के दूसरे हिस्सों में भी पहुंच जाता है.

लीवर में पहुंचकर ये सिस्ट बना लेते हैं, जिससे पस हो जाता है. कई बार ये आंखों में भी आ जाते हैं और दिमाग में भी.

एशिया की तुलना में यूरोपीय देशों में इसका ख़तरा कम है. एनएचएस के अनुसार, अगर शरीर में टेपवर्म है तो जरूरी नहीं कि इसके कुछ लक्षण नजर ही आए, लेकिन कई बार ये शरीर के कुछ अति–संवेदनशील अंगों में पहुंच जाता है, जिससे ख़तरा हो सकता है.

हालांकि इसका इलाज भी आसान है. दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. नरेश बंसल के अनुसार, भले ही टेपवर्म जानलेवा नहीं हैं, लेकिन इन्हें नजरअंदाज करना ख़तरनाक हो सकता है.

डॉ. बंसल मानते हैं कि यूं तो टेपवर्म दुनिया भर में पाए जाते हैं और इनसे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकिन भारत में इसके संक्रमण से जुड़े मामले ज़्यादा सामने आते हैं.

टेपवर्म के कारण

अधपका या कच्चा पोर्क या बीफ खाने से, अधपकी या कच्ची मछली के सेवन से. दरअसल, इन जीवों में टेपवर्म का लार्वा होता है. ऐसे में अगर इन्हें अच्छी तरह पका कर नहीं खाया जाए तो टेपवर्म शरीर में पहुंच जाते हैं.

दूषित पानी पीने से.

पत्ता–गोभी, पालक को अगर अच्छी तरह पकाकर नहीं बनाया जाए तो भी टेपवर्म शरीर में पहुंच सकता है.

इसलिए गंदे पानी में या मिट्टी के संपर्क में उगने वाली सब्जियों को धो कर खाने की सलाह दी जाती है.

टेपवर्म संक्रमण के लक्षण

आमतौर पर इसका कोई बहुत सटीक लक्षण नजर नहीं आता है, लेकिन टेपवर्म शरीर में हों तो शौच से पता चल जाता है. इसके अलावा पेट में दर्द, डायरिया, कमजोरी और उल्टी, अनियमित भूख और कमजोरी इसके प्रमुख लक्षण हैं.

अगर शरीर में टेपवर्म की संख्या या अंडों की संख्या बहुत अधिक है तो चक्कर आना, त्वचा का पीलापन, खांसी, सांस फूलना, देखने में दिक्क़त जैसी शिकायतें भी हो सकती हैं.

बचाव के उपाय

टेपवर्म एकबार शरीर में पहुंच जाए तो इससे दवा की मदद से ही छुटकारा पाया जा सकता है. लेकिन अगर कुछ सावधानियां बरती जाएं तो इसके संक्रमण से बचा जा सकता है.

किसी भी किस्म के मांस को बिना अच्छी तरह पकाए न खाएं.

फल–सब्जियों को खाने से पहले अच्छी तरह धो लें.

खाना खाने से पहले हाथ जरूर धोएं. शौच के बाद हाथों और नाखूनों को अच्छी तरह साफ करें.

हमेशा साफ पानी ही पिएं.

मवेशियों के सीधे संपर्क से बचें या उस दौरान विशेष सावधानी रखें. डॉ. बंसल मानते हैं कि टेपवर्म जानलेवा नहीं है ये मानकर इसे लापरवाही में नहीं लेना चाहिए. ये शरीर के किसी ऐसे अंग में भी जा सकता है, जिससे शरीर का वो हिस्सा लकवाग्रस्त हो सकता है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **विकास कार्यों में** . . . युद्वस्तर पर अभियान चलाकर कराने का निर्देश दिया और इसकी रोजाना निगरानी के लिये अधिकारियों की टीम गठित किये जाने पर विशेष जोर दिया।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैथी स्थित मारकण्डेय महादेव मंदिर में एवं बैठक के पश्चात् श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत् दर्शन पूजन किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल से भी वार्ता की।

(पृ. 1 का शेष) . . . **अब राज्य सभा से भी** . . .

इस बिल के पास होने से अब पिछड़ा वर्ग को कई प्रकार की सुविधा मिलेगी. अब सामाजिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग बनेगा. अंतिम मुहर लगने के बाद आयोग खुद सक्षम बनेगा और उसके पास स्वंय की प्रक्रिया निर्धारित करने की शक्ति भी होगी.

(पृ. 1 का शेष) . . . **बालिका गृह सेक्स रैकेट** . . .

सही फरमा रहे हैं

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव महिला कल्याण रेणुका कुमार से इस मामले की जांच करने और शाम तक रिपोर्ट सौपने का आदेश दिया है। अधिकारी लखनऊ से सरकारी हेलिकॉप्टर द्वारा देवरिया पहुंचे गये हैं। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी के अलावा डीपीओ प्रभात कुमार को भी हटा दिया है। वहीं बाल कल्याण अधिकारी रेणुका कुमार से इस मामले पर रिपोर्ट तलब किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले सभी जिला अधिकारियों को बाल गृह और महिला संरक्षण गृह का व्यापक निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। बताया जा रहा है कि जिलाधिकारी ने यहां का निरीक्षण नही किया था। श्री योगी ने इसके पहले जिलाधिकारी सुजीत कुमार से मामले की पूरी जानकारी ली थी। पूरे प्रकरण की जांच कर शाम तक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है। गौरतलब है कि मां यवासिनी महिला प्रशिक्षण एवं समाज सेवा संस्थान द्वारा संचालित इस बालिका गृह की मान्यता को शासन ने पहले ही स्थगित कर दी थी। इसके बाद भी संस्था में बालिकाएं, शिशु तथा महिलाओं को रखा जा रहा था। रविवार को बालिका गृह से बेतिया बिहार की रहने वाली एक बालिका प्रताड़ना के चलते भाग निकली और पूरे प्रकरण का खुलासा हो गया।

(पृ. 1 का शेष) . . . **राजीव कुमार बने** . . . अखिलेश सरकार और पिछले एक साल से योगी सरकार की हीलाहवाली के चलते ये नियुक्तियां अभी तक लटकी पड़ी थीं।

(पृ. 1 का शेष) . . . **अपर्णा यादव ने एनसीआर** . . . हो रही है। उन्होंने कहा कि दिक्कत वहां पैदा होती है, जब कानून का उल्लंघन कर लोग देश में दाखिल हुए हों। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को उन घुसपैठियों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो गैर कानूनी ढंग से यहां रह रहे हैं। यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है, उन्हें इस पर विचार करना चाहिए।

(पृ. 1 का शेष) . . . **गृहमंत्री ने किया** . . . किया गया। . यह पुस्तक लोक निर्माण विभाग ने ग्रामीण इलाकों के उत्थान के लिए 2001 और 2011 की जनगणना के अनुसार सभी राजस्व गाँवो, जिनकी आबादी 250 से अधिक है, उन्हें जोड़ने की योजना पर बनाई है।

(पृ. 1 का शेष) .. **वाराणसी के लिये**. . रविवार को मुगलसराय स्टेशन का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. किये जाने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेलमंत्री पीयूष गोयल, राज्यमंत्री मनोज कुमार सिन्हा समेत कई हस्तियों की मौजूदगी में नई ट्रेन एकात्मता एक्सप्रेस को स्पेशल ट्रेन के रूप में रवाना किया गया।

यह ट्रेन सुलतानपुर के रास्ते सप्ताह में दो दिन लखनऊ से मंगलवार व गुरुवार तथा मुगलसराय से बुधवार व शुक्रवार को चलेगी।

लखनऊ से 23.35 बजे से चलकर अगले दिन 06.55 बजे मुगलसराय, जबकि मुगलसराय 23 बजे, वाराणसी से 23.35 बजे चलकर अगले दिन सुबह 05.10 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वाराणसी से लखनऊ आने के लिए वर्तमान में वाराणसी–बरेली एक्सप्रेस (14235) 23.40 बजे रवाना होती है। अब नई ट्रेन एकात्मता एक्सप्रेस के चलने के बाद अब यात्रियों को वाराणसी में 23.35 बजे इसकी सुविधा लखनऊ आने के लिए मिलेगी।

एसएसी/एसटी को मनाने में जुटी भाजपा, 15 से 30 अगस्त तक मनायेगी सामाजिक न्याय पखवाड़ा

नयी दिल्ली। भाजपा देशभर में 15 से 30 अगस्त तक 'सामाजिक न्याय पखवाड़ा' और अगले वर्ष 1 से 9 अगस्त तक 'सामाजिक न्याय सप्ताह' मनायेगी जो राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के विधेयक को संसद की मंजूरी और दलितों पर अत्याचार के खिलाफ कानून को मजबूत बनाने की पहल के तौर पर मनाया जाएगा। भाजपा संसदीय पार्टी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यह घोषणा की। उन्होंने कहा कहा कि संसद के वर्तमान मानसून सत्र को सामाजिक न्याय सत्र के रूप में जाना जायेगा।

सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इस अवसर पर अगस्त क्रांति और 1942 में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किये गए भारत छोड़ो आंदोलन का भी जिक्र किया तथा इस परिपेक्ष में संसद द्वारा इस महीने पारित होने वाले विधेयकों के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया।बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री अनंत कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री ने 2014 में भाजपा की जीत के बाद दिये गए भाषण को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार गांव, गरीब और पिछड़े वर्गो को समर्पित होगी और ये विधेयक इसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। कुमार ने कहा कि एक ऐतहिसिक विधेयक पारित हुआ है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **बनारस हिंद विश्वविद्यालय** . . . बीएचयू का ही हिस्सा रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि एम्स के समान सुविधाएं मिलने से यहां पर बेड बढ़ेंगे, छात्र–छात्राओं की सीटें बढ़ेंगी, स्टाफ की सुविधाएं बढ़ेंगी, उपचार एवं जांच के उपकरण बढ़ेंगे, उच्च कोटि के शोध होंगे। कहा कि अब से आइएमएस पर स्वास्थ्य मंत्रालय की सारी शर्तें लागू होंगी। मंत्रालय ही अब सारा खर्च उठाएगा, कुलपति प्रो. राकेश भटनागर ने आइएमएस एवं एम्स के अंतर को भी विस्तार से बताया।

एमओयू हस्तांतरण पर यह मंचासीन : –मनोज सिन्हा, केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

–अनुप्रिया पटेल व अश्विनी चौबे, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री

–डा. महेंद्र पांडेय, सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

–आशुतोष टंडन, चिकित्सा एवं तकनीक शिक्षा मंत्री (उत्तर प्रदेश)

–प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स नई दिल्ली

500 करोड़ हो जाएगा फंड

मौजूदा सयम में अस्पतालों को प्रति बेड दो लाख रुपये के हिसाब से करीब 30 करोड़ रुपये ही फंड मिलता है, आइएमएस एम्स के समान हो जाएगा तो यहां के बेड 2500 हो जाएंगे वहीं फंड भी प्रति बेड 20 लाख रुपये मिलने लगेंगे। सर सुंदरलाल अस्पताल व ट्रामा सेंटर का फंड करीब 500 करोड़ रुपये हो जाएगा। इतनी धन वर्षा होने के बाद यहां के सभी मरीजों को मुफ्त में इलाज मिलने लगेगा।

सड़क हादसे में शिक्षक गंभीर रूप से घायल, लखनऊ रेफर

कादीपुर। विपरीत दिशा से आ रही दो बाइक सवार आमने–सामने के जोरदार टक्कर से अपाची सवार शिक्षक अतुल सिंह को सर में गम्भीर चोट आई ।जिसकी सूचना पाकर उन्ही के स्कूल में समायोजित शिक्षक अमर सिंह ने प्राथमिक उपचार हेतु कादीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराए

वहाँ डॉक्टरों ने जिला अस्पताल सुल्तानपुर को रेफर कर दिया सुल्तानपुर एमरजेंसी में तैनात डॉक्टर दीपक मिश्रा ने इलाज किया अत्यधिक सीरियस होने पर शिक्षक संघ प्रवक्ता निजाम खान के अनुरोध पर सर्जन डॉ रमेश को बुलाया गया उन्होंने हेड इंजरी बता कर पी जी आई लखनऊ को रिफर कर दिया ।अतुल सिंह प्राथमिक विद्यालय जफरपुर विकास क्षेत्र कादीपुर में सहायक अध्यापक पद पर तैनात है स्कूल से छुट्टी होने पर अपने घर बाछपारा जा रहे थे। घटना की खबर मिलते ही उत्तर प्रादेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेताओं का इमरजेंसी अस्पताल में जमावड़ा लग गया

जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ,प्रवक्ता निजाम खान ,जंग बहादुर वर्मा ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नारायण मिश्र,उपाध्यक्ष प्रशांत पाण्डेय,देवेंद्र कविराज ,राम बहादुर मिश्र,पूर्णेन्दु पाण्डेय,आदि लोगो ने मौके पर डटे रहे।

(पृ. 1 का शेष) . . .**भारतीय सेना को**. . . मई 2018 में धनुष 155ध्45 कैलिबर वाली तोप का यूजर ट्रायल पोखरण में हो चुका है. आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड को कहा गया है कि 114 तोपों को जल्द तैयार करके भारतीय सेना को सुपुर्द करे.

के–9 वज्र 155 एमएम ध्52 कैलिबर की होवित्जर तोप है. इसे साउथ कोरिया तैयार करके 100 की संख्या में भारतीय सेना को देगा. इसीलिए मेक इन इंडिया के तहत एलएनटी कंपनी पार्टनरशिप के तहत 2019 नवंबर तक इसे तैयार करके देगी. पहली 10 तोप नवंबर 2018 तक आनी है. इसके बाद 40 तोप 2019 के नवंबर महीने तक और उसके बाद 2020 तक भारतीय सेना को मिलेंगी.

अमेरिका के साथ काफी हल्के वजन वाले 145 होवित्जर तोपों ड777 के सौदे के बाद दो तोप भारत आ चुकी हैं. वहीं 2019 के मार्च से लेकर 2021 के जून के बीच हर महीने 5–5 तोपें आएंगी. अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपों को भारत में चीन की सीमा के निकट और अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा.

एटीएजीएस डीआरडीओ द्वारा तैयार की जा रही आर्टिलरी गन है. भारत फोर्ज के साथ मिलकर इसे तैयार किया जा रहा है. इसकी रेंज 45 किलोमीटर है और एक जगह से दूसरे जगह आसानी से ले जाया सकता है. रक्षा मंत्रालय के मुताबिल इस प्रोजेक्ट में तेजी लाने के साथ जल्द ही 2019 के खत्म होने से पहले भारतीय सेना में शामिल होने को कहा है.

(पृ. 1 का शेष) . . . **फर्जी टेंडर निकलवाने** . . . भी की। खबर है कि मनोज तिवारी को जेल के अंदर ही मोबाइल और सिम उपलब्ध कराया गया था और वह जेल से ही अपने पूरे गोरखधंधे को संचालित कर रहा था। इस गिरोह में और भी लोग सक्रिय हैं जिन्होंने यूपी के बाहर शरण ले रखी है।

फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। इस पूरे फर्जी टेंडर के सरगने पर पहले से 30 मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने एक गाड़ी भी बरामद की है। क्या था पूरा मामला? पुलिस ने जेल में बंद मनोज तिवारी के भाई अनुज त्रिपाठी पर शिकंजा कस उसे गिरफ्तार किया और इसके साथी को भी गिरफ्तार किया गया। जेल में बंद गिरोह का सरगना मनोज तिवारी जेल के भीतर से ही पर्यटन विभाग के फर्जी टेंडर निकलवाता था।

लोगों से फर्जी टेंडर के नाम पर लाखों की ठगी करता था। गिरफ्तार नीरज पांडे नैनी जेल में बंद सरगना मनोज तिवारी को मोबाइल और SIM बात करने के लिए उपलब्ध कराता था। यह गिरोह जेल के भीतर से ही संचालित हो रहा था। कई लोग शामिल हैं इस गिरोह में इस गिरोह में कई लोग सक्रिय थे जिनमें उमाशंकर तिवारी, आलोक मिश्रा, गौरव उपाध्याय फरार हैं।

इन अपराधियों ने पुलिस से बचने के लिए उत्तर प्रदेश से बाहर शरण ली है। पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। इस गिरोह के सरगना मनोज तिवारी पर पहले से 30 मुकदमें दर्ज हैं, पुलिस को एक गाड़ी भी बरामद हुई है जिसका नंबर प्लेट भी फर्जी है।

रिश्वत खोरी पर पुनः सर्वे की मांग को लेकर महिलाओं का धरना

हरदोई। नगर पंचायत कुरसठ की ललती देवी के साथ शिवप्यारी,रेशमा देवी, पुष्पा देवी, गुड्डी देवी, ललिता देवी ने बताया कि उनकी मांग है कि नगर पंचायत में प्रधानमंत्री आवास का पुनः सर्वे कराकर पात्रों का चयन कराकर आवास दिलाए जाएँ।

नगर में व्याप्त भ्रष्टाचार व् रिश्वत खोरी समाप्त कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। महिलाओं का कहना है कि कई बार नगर पंचायत व जनपद स्तर पर आवास में हो रही धांधली की शिकायत की पर व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते पात्रों के बजाय अपात्रों को आवासों का लाभ दिया जा रहा है।

जिसके कारण वह लोग अनिश्चित समय तक आमरण अनशन पट डटी रहेंगी। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि वह जाँच करने स्वयं आएं और उनकी समस्याओं का निदान करें।

तिब्बत में बार्डर के पास चीन तैनात करेगा इलेक्ट्रोमैग्नेट रॉकेट

नई दिल्ली। भारत का पड़ोसी देश चीन तेजी से अपनी सीमाओं के इर्द–गिर्द सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इसके साथ ही वह भारत से सटे सभी इलाकों में आधुनिक मशीनों और रॉकेट को भी तैनात कर रहा है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए अब चीन की तिब्बत में भारतीय सीमा पर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक केटापुलिस रॉकेट तैनात करने की खबर आ रही है। जोकि भारत के लिए चिंता का विषय बन सकती है।

चीनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन जल्द ही तिब्बत क्षेत्र में भारत बॉर्डर के पास इस आधुनिक रॉकेट के तैनात कर सकता है। यह रॉकेट कम ऑक्सीजन, कम विजिबिलटी वाली जगहों में भी मार करने में सक्षम मानी जाती है और अपने प्रतिद्वंदी की मुश्किलें बढ़ाने का माद्दा रखती है। इन सभी खासियतों के बावजूद ये रॉकेट कम बजट और अधिक क्षमता वाला है।

चीनी रिसर्चर हान हुनली के अनुसार, पिछले कुछ समय में पश्चिमी सीमा क्षेत्र में जिस तरह की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने ऐसा करने को मजबूर कर दिया है। इन घटनाओं में डोकलाम विवाद भी शामिल है। चीनी रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो दुर्गम पहाड़ी इलाके और ऑक्सीजन की कमी के कारण कई हथियारों को इस्तेमाल करने में मुश्किलें आती थीं लेकिन ये नया रॉकेट ऐसी सुविधाओं से लैस है जिसे इन समस्याओं से निपटा जा सकता है।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक केटापुलिस रॉकेट की मदद से निशाना बिल्कुल सटीक लगेगा। बताया जा रहा है कि इसके लिए सैनिकों को दूर पहाड़ पार कर जाने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि ये जिस जगह स्थापित होगा, वहां से ही दुश्मनों पर प्रहार कर सकता है। इस रॉकेट को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की रॉकेट फोर्स को सौंपा जाएगा।

चीनी रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम क्षेत्र में भारत की तेजी से बढ़ती सैन्य ताकत ही चीन के लिए चिंता का विषय है। चीन को लगता है कि भारत की सेना ज्यादा प्रोफेशनल और युद्ध लड़ने की क्षमता रखने वाली है। यही कारण है कि इस फोर्स को लगातार मजबूती दी जा रही है। रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों की माने तो डोकलाम विवाद के बाद से चीन काफी चौकन्ना हो गया है। वह अब कोई भूल नहीं करना चाहता है। इसलिए इस जगह पर अपनी मुस्तैदी बढ़ा रहा है।

गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने लखनऊ में किया 909 करोड़ रूपये की 326 परियोजनाओं का लोकार्पण

लखनऊ। केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कन्वेंशन सेंटर के अटल बिहारी बाजपेई सभागार में लोक निर्माण विभाग की 909 करोड़ रूपये की 326 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी उपस्थित थे। इस मौके पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेई की प्रेरणा से जो मैंने लखनऊ में किया उसकी चर्चा जरूर करूंगा। शहीद पथ की शुरूआत अटल जी ने किया था। निर्माण प्रारम्भ होते ही बड़े पैमाने पर विकास की गतिविधियां शुरू हुई। पिछले 15 वर्षों में प्रतिवर्ष आबादी बढ़ रही है। जनसंख्या के बढ़ते दबाव के कारण लखनऊ का विस्तार होना जरूरी है। आगामी 20 से 30 वर्षों के बाद कैसे हालात होंगे। इसको देखकर इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है।

मुगलसराय हुआ भगवामय, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के स्वागत के लिए उमड़ा सैलाब राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में विश्व स्तरीय सुविधाओं को उपलब्ध कराने की कोशिश हो रही है। आउटर रिंग रोट 104 किलोमीटर का है। इसमें करीब 20 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। गोमतीनगर, चारबाग जंक्शन और आलमबाग में कार्य शुरू हो गया है। 'अतुल्य भारतश अभियान' : बच्चों की चिट्ठियों से

गदगद हुए पीएम मोदी राजनाथ सिंह पुराने लखनऊ में तीन फ्लाईओवर का शिलान्यास किया। 2.8 किमी लंबा पुल चरक चौराहा–हैदरगंज से विक्रम कॉटन मिल रोड तक दो लेन का होगा। 1.61 किमी. लंबाई का बांसमंडी से डीएवी कॉलेज के फ्लाईओवर होगा। तीसरा पुल 16.51 किमी लंबा होगा। हैदरगंज तिराहे होते हुए मीना बेकरी के बीच बनाया जाएगा।गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों फ्लाईओवर का शिलान्यास किया।

गृहमंत्री ने भूतल एवं परिवहन मंत्री से शहर के नौ मार्गो पर फ्लाईओवर के निर्माण की सिफारिश की थी ताकि शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाई जा सके। इसमें से तीन को मंजूरी मिल गई है। फ्लाईओवर के बनने से आठ लाख से ज्यादा आबादी को जाम से राहत मिलेगी। खासकर बांसमंडी, नाका, हैदरगंज, विक्टोरिया स्ट्रीट, चारबाग, बाजार खाला, मेडिकल कॉलेज, अशर्फाबाद, राजाजीपुरम, ऐशबाग, आलमनगर, राजेंद्र नगर, मोतीनगर, नक्खास के लोगों को जाम से छुटकारा मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के अन्दर गड्ढ़ामुक्त सड़कें बनाने का काम प्रदेश सरकार ने किया है। सरकार ने हर क्षेत्र में काम करने का प्रयास किया है। देश के सबसे बड़े राज्य की राजधानी लखनऊ की पहचान सबसे स्वच्छ और सबसे व्यस्थित शहर के रूप में हो। लखनऊ के विकास में सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है। सरकार जो काम 12 महीने में करके दिखाया है वह काम पिछले 72 वर्षों में नहीं हुआ। राजमार्गों ने प्रदेश के विकास की गति को बढ़ाने का काम किया है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डा. दिनेश शर्मा, डा. रीता बहुगुणा जोशी, महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

यमन के तटीय प्रांत होदेडा के पास हिंसक झड़प में 80 लोगों की मौत

सना। तटीय प्रांत होदेडा में हाल ही में सरकार समर्थित

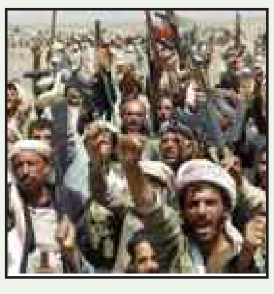

बलों और शिया विद्रोहियों के बीच भीषण संघर्ष में कम से कम 80 लोगों की मौत हो गई जिसमें दोनों तरफ के लोग शामिल हैं। यमन के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि रविवार को सऊदी के नेतृत्त्व वाले गठबंधन द्वारा समर्थित बलों ने होदेडा शहर के अद–दुरायहिमी जिले की घेराबंदी करने की कोशिश की थी और 24 घंटों में कम से कम 100 लोग घायल हो गये।

ट्रंप ने स्वीकार की अपनी गलती, कहा मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

स्वीकार किया है कि उनके बेटे ने प्रतिद्वंद्वी हिलेरी क्लिंटन के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए जून 2016 में रूस के वकील से मुलाकात की थी। हालांकि, ट्रंप ने इस बैठक का बचाव करते हुए इसे कानूनी करार दिया है।

बीबीसी के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की जून 2016 में रूस की वकील नतालिया वेसेलनिटस्काया के साथ मुलाकात को लेकर यह राष्ट्रपति ट्रंप का अब तक का सबसे स्पष्ट बयान है।

विशेष अभियोजक रॉबर्ट मुलर इस मामले की जांच कर रहे हैं कि रूस ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित किया था। ट्रंप ने सांठगांठ से इनकार किया है।

ट्रंप ने इस जांच को अमेरिका के राजनीतिक इतिहास की सबसे बड़ी 'विच हंट' करार दिया है। रूस चुनाव में कथित हस्तक्षेप से इनकार करता आया है।

महिला कांग्रेस का नया झंडा मिली नई पहचान

नई दिल्ली। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते

हुए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने महिला संगठन के लिए अलग से झंडा लॉन्च किया। इस दौरान वहां मौजूद महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि झंडा अब आपकी एक अलग पहचान होगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बाकी जो अग्रिम संगठन हैं उनके पास झंडा है, लोगो है, मगर महिला कांग्रेस के पास शक्ति तो है लेकिन झंडा नहीं है। आज के बाद से महिला कार्यकर्ताओं के लिए भी झंडा दिखाई देगा।

उज्बेकिस्तान में सुषमा स्वराज ने बॉलीवुड फैन से की मुलाकात, सूना- इचक दाना बीचक दाना...

नई दिल्ली। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज इन दिनों मध्य एशियाई देश दौरे पर हैं। दौरे के दौरान विदेश मंत्री शनिवार को उज्बेकिस्तान पहुंचीं जहां उनकी मुलाकात एक बुजुर्ग महिला से हुई, जो बॉलीवुड की काफी बड़ी फैन है। इस दौरान महिला ने सुषमा स्वराज को बॉलीवुड फिल्म श्री 420 का गाना शईचक दाना, बीचक दानाश भी सुनाया। इस दौरान विदेश मंत्री भी काफी खुश नजर आईं।

बता दें बुजुर्ग महिला के इस वीडियो विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रवीश कुमार ने अपने ट्विटर अकांउट पर शेयर किया है।

रवीश कुमार ने लिखा कि ष्बॉलीवुड किसी बंधन को नहीं समझता. उज्बेकिस्तान भी ऐसा ही देश है, जहां घर–घर में राजकपूर और नरगिस जैसे बॉलीवुड सितारों के नाम सुनने मिल जाएंगे. इस उज्बेक महिला के साहस को सलाम जो श्री 420 का 'ईचक दाना, बीचक दानाष गुनगुना रही है.' इस वीडियो में विदेश मंत्री एक बुजुर्ग उज्बेक महिला के साथ नजर आ रही हैं।

बता दें इससे पहले विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने ताशकंद में उज्बेकिस्तान के पीएम अब्दुल्ला अरिपोव से मुलाकात की। यहां उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित भी किया। गौरतलब है कि रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों के तहत विदेश मंत्री सुषमा स्वराज तीन मध्य एशियाई देश–कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और उजकिस्तान के दौरे पर हैं।

अमेरिका : शिकागो में बेकाबू हुए हालात, 14 घटे में 44 लोगों को मारी गई गोली!

शिकागो। अमेरिका के शिकागो शहर में 14 घंटो के अंदर 44 लोगों को गोली मारी गई। जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, रविवार रात 1.30 बजे से शुरुआती तीन घंटों में पुलिस रिकॉर्ड में 10 घटनाओं में 30 लोगों की गोली मारे जाने की शिकायत दर्ज की गई। इसमें मरने वालों की संख्या 2 थी, जोकि बाद में बढ़कर 5 हो गयी। गोलीबारी की घटना देर रात दो बजे तक हुई।

'ब्यूरो ऑफ पेट्रोल' चीफ फ्रेड वालर ने रविवार दोपहर कहा, "शिकागो शहर को बीती रात हिंसक वारदातों से गुजरना पड़ा। इनमें से कुछ घटनाएं प्रयोजित थीं और उन इलाकों में गैंगवार से संबंधित थीं।"

वालर ने कहा कि एक घटना में निशानेबाजों ने भीड़ से भरी स्ट्रीट पार्टी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। घायल लोगों में से सबसे उम्रदराज शख्स 62 वर्ष का था और सबसे कम 11 वर्ष का था।

विशेष रूप से हिंसक रविवार से पहले शुक्रवार को गोलीबारी की छह घटनाएं हुई। हालांकि, कोई नुकसान नहीं हुआ। वहीं शनिवार को गोलीबारी 15 घटनाएं हुई, जिनमें एक घातक साबित हुआ।

काव्या ने जीता ईवा इंडिया उ.प्र.का खिताब

लखनऊ। एक्टिंग की फील्ड में या मॉडलिंग में अगर करियर बनाना हो तो ईवा इंडिया का यह मंच सबसे उत्तम है।अपने सपनों को सच करने के लिए शुक्रवार को ईवा इंडिया 2018 यूपी के ऑडिशन में लखनऊ की गर्ल्स ने पहला कदम आगे बढ़ाया है।

महाराणा प्रताप मार्ग स्थित होटल फॉर्च्यून में हुई इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश से कई की लड़कियों ने हिस्सा लिया। वॉक, कॉन्फिडेंस और इंट्रोडक्शन के आधार पर लखनऊ की काव्या दीक्षित को विजेता चुना गया। वहीं, फर्स्ट रनरअप लखनऊ की शेफाली शुक्ला और सेकंड रनरअप बनारस की साधना वर्मा रहीं।

इस प्रतियोगिता को भोजपुरी और असमी मूवी की ऐक्ट्रेस कुलजीत बेदी, बॉलिवुड ऐक्ट्रेस नयनी दीक्षित, वेदिता प्रताप सिंह, अनिल त्रिपाठी, रिमली लोहान और विजय दीक्षित ने जज किया। इस मौके पर ईवा इंडिया के चेयरपर्सन सुनीत कालरा और रजनी कालरा भी मौजूद रहे। सेलेक्शन तीन राउंड में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत रैम्पवॉक से हुई। इसके बाद सभी 14 प्रतिभागियों का इंट्रोडक्शन राउंड हुआ और फिर क्वेशचन–आंसर राउंड में सभी प्रतिभागियों ने पूरे कॉन्फिडेंस से जवाब दिए।

इस साल ईवा इंडिया बेटी बचाओ बचाओ बेटी बचाओ को भी सपोर्ट कर रहा है जहां इस प्रतियोगिता सहयोग केयर फाउंडेशन का साथ दे है द्य

ब्यूटी पैजंट में रक्षक मोहन ने अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा। रक्षक ने कई बॉलिवुड गीत गाकर कार्यक्रम की शाम को सुंदर बनाया। ग्रैंड फिनाले दिसम्बर में दिल्ली में होगा।

सऊदी अरब ने कनाडाई राजदूत को निष्कासित किया

रियाद। सऊदी अरब ने सोमवार को बताया है कि वह रियाद में कनाडाई उच्चायुक्त को वापस देश भेज दिया है और टोरॉन्टो में मौजूद अपने राजदूत को भी बुला लिया है। सऊदी ने कनाडा के साथ सभी नए व्यापार और निवेश पर भी रोक लगा दी है। सऊदी ने यह फैसला कनाडा द्वारा इस इस्लामिक देश में मानवाधिकारों के उल्लंघन की आलोचना के बाद किया है।

द र अ स ल , कनाडा की विदेश मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने बीते सप्ताह सऊदी अरब को गिरफ्तार किए गए नागरिक अधिकार कार्यकताओं को रिहा करने और मध्य पूर्व देश में नई कार्रवाई को लेकर चिंता जताई थी, और उन्हें रिहा करने की अपील की थी। सऊदी अरब ने कनाडा की इस मांग को उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताया है।

'सऊदी गजट' के मुताबिक, देश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को ऐलान किया कि वह कनाडा में नियुक्त अपने राजदूत को सलाह के लिए बुला रहा है और कनाडाई राजदूत डेनिस होराक को देश छोड़ने के लिए 24 घंटे का समय दिया है।

इंडोनेशिया में भूकंप के जबरदस्त झटके, 82 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के लॉमबोक में रिक्टर पैमाने पर सात की तीव्रता के भूकंप से 82 लोगों की मौत हो गई. बीबीसी के मुताबिक, रविवार को आए इस भूकंप में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं. भूकंप का केंद्र लॉमबोक के उत्तरी तट के पास सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था. भूकंप से सैकड़ों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और घरों की बिजली गुल हो गई है. एक सप्ताह पहले भी भूकंप आया था, जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी। सुनामी की चेतावनी दी गई लेकिन कुछ ही घंटों बाद हटा लिया गया. इंडोनेशिया के आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा कि लॉमबोक के मुख्य शहर मतारा में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं,

एयरो इण्डिया-2019 का प्रदर्शन होगा लखनऊ में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में प्रस्तावित रक्षा औद्योगिक विनिर्माण कॉरिडोर ;डीआईएमसीद्ध को बढ़ावा देने के लिये एयरो इंडिया –2019 को लखनऊ में स्थानांतरित किये जाने का प्रस्ताव दिया है। भारतीय वायु सेना का व्यापारिक हवाई शो कार्यक्रम का 12 वां संस्करण फरवरी 2019 में लखनऊ के बक्शी का तालाबा वायुसेना स्टेशन में आयोजित किया जाएगा। यह पहली बार होगा कि इस कार्यक्रम को बंगलुरू की बजाय लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। पिछले साल सितंबर से बक्शी का तालाबा वायुसेना स्टेशन पर अपग्रेडेशन हो रहा है। यहां रनवे को ट्रांसपोर्ट विमान ग्लोबमास्टर

हरक्यूलिस सी –17, मिराज, जगुआर और सुखोई के लिए तैयार किया जा रहा है। जामनगर जैसे वायुसेना स्टेशन की तरह लखनऊ को एडवांस रडार से लैस एटीसी भी बनाया जा रहा है। इससे भारत के मध्य स्थित वायुसेना स्टेशन की क्षमता भी और बढ़ेगी।

लखनऊ में स्थित सैन्य हवाई अड्डा केन्द्रीय वायु सेना के नियंत्रण में है। लखनऊ को देश के सबसे बड़े हवाई प्रदर्शनी की मेजवानी के लिये तैयार किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि एयरो इंडिया–2019 को लखनऊ में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है। इसके लिए तैयारियां शुरू की गई हैं। आयोजकों ने वर्ष 2016 में बहुत छोटे पैमाने पर एक एयरो शो आयोजित किया था। 5,000 आगंतुकों के लिये यातायात, सुरक्षा और बुनियादी ढांचा तैयार करने की एक बड़ी चुनौती है। एयरो इंडिया का 11 वां संस्करण 14 से 18 फरवरी 2017 तक आयोजित किया गया था। इसमें कुल 549 कंपनियां जिसमें 270 भारतीय तथा 279 विदेशी थी। इसमें 72 विमानों को शमिल किया गया थ। जिसमें 27,678 वर्गमीटर क्षेत्र कवर किया गया थ। इस आयोजन में 51 विभिन्न देशों में भाग लिया था। इसमें इंडियन वायुसेना, सूर्य किरण टीम (इंडियन वायुसेना), स्कैंडिनेवियाई एयर शो टीम (स्वीडन) और याकोवल्व एयरोबैटिक टीम (यूके) समेत कई देशों की टीमों ने भाग लिया था।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार ''सत्य'' माना जायेगा।
संपादक

crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222